कोटद्वार, रविवार
5 अप्रैल 2026
वर्षः 48
अंकः 305 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापकः स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

केरल में प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा दावा, एल डी एफ सरकार की उलटी गिनती शुरू, अब एन डी ए की बारी है

पीएम मोदी ने सबरीमाला रेलवे और महिला सशक्तिकरण के जरिए फूंका जीत का शंखनाद

(एजेंसी)
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री मोदी ने केरल के तिरुवल्ला में चुनावी रैली में भाजपा-एनडीए की सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि जनता एलडीएफ-यूडीएफ के कुशासन से बदलाव चाहती है। उन्होंने राज्य सरकार पर सबरीमाला रेलवे जैसी विकास परियोजनाओं में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए 'डबल इंजन' सरकार के माध्यम से तीव्र विकास का वादा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 अप्रैल को विश्वास व्यक्त किया कि आगामी विधानसभा चुनावों के बाद केरलम में भाजपा-एनडीए सरकार का गठन होगा, और उन्होंने राज्य भर में, विशेष रूप से महिलाओं से मिल रहे मजबूत जनसमर्थन पर प्रकाश डाला। केरलम के थिरुवल्ला में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि मैं पहले भी यहां आ चुका हूं, लेकिन इस बार बदलाव की हवा अलग दिशा में

बह रही है। केरलम में अब सबसे बड़ा परिवर्तन होने जा रहा है। 9 अप्रैल को मतदान होगा और 4 मई को दशकों के कुशासन का अंत घोषित हो जाएगा। अब यह निश्चित है कि एलडीएफ सरकार के सत्ता से हटने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। पहली बार केरल में भाजपा-एनडीए की सरकार सत्ता में आ रही है। प्रधानमंत्री ने रैली के रास्ते में देखी गई भारी भीड़ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरे पहुंचने पर मैंने देखा कि कार्यक्रम स्थल तक जाने वाले पूरे रास्ते पर भारी भीड़ जमा थी। वामपंथी मानव श्रृंखला की बात करते हैं, लेकिन केरल के लोगों ने एनडीए के प्रति अपना प्रेम मानव दीवार बनाकर दिखाया है। उन्होंने कहा कि नॉर्थईस्ट में एक राज्य को छोड़कर भाजपा-एनडीए की सरकार है और वहां पिछले 50-60 साल में जो काम नहीं हुआ, वो हमने करके दिखाया है। गोवा में लगातार भाजपा-एनडीए की सरकार है, गोवा विकास की नई ऊंचाई को छू रहा है। केरलम में भी एनडीए की सरकार बनेगी तो विकास की नई ऊंचाइयों को पाएंगे। स्थानीय किसानों और मछुआरों की हर समस्या का समाधान हम करेंगे। मोदी ने कहा कि इस चुनाव में केरल को लाभ होगा, हालांकि व्यक्तिगत रूप से मुझे कुछ नुकसान हो सकता है। एनडीए के उम्मीदवार अनूप ने पिछले पांच वर्षों से अटूट समर्पण के साथ मेरे साथ काम किया है। वे एक विश्वसनीय सहयोगी रहे हैं, शांत, ईमानदार और अथक, दिन-रात काम करने वाले। मुझे लगा कि केरल को इस युवा नेता की सेवा और ऊर्जा की आवश्यकता है। आज मैं अनूप को केरल की जनता की सेवा के लिए आपके हवाले करता हूँ। उन्होंने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों ने लंबे समय से इस क्षेत्र की उपेक्षा की है। संपर्क मार्ग जर्जर हालत में हैं। वर्षों से कोई नया पुल नहीं बनाया गया है, और मेडिकल कॉलेज की स्थिति बेहद चिंताजनक है। बुनियादी ढांचे की इस कमी से यह स्पष्ट है कि आपके जीवन स्तर पर कितना गंभीर प्रभाव पड़ा है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब केंद्र में एलडीएफ और यूडीएफ सत्ता में थे, तब केरल को बहुत कम धनराशि मिलती थी। मोदी सरकार के कार्यकाल में, उस अवधि की तुलना में राज्य को पांच गुना अधिक धनराशि आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि सबरीमाला रेलवे परियोजना से पूरे क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे और सबरीमाला तीर्थयात्रियों से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हालांकि, राज्य सरकार ने इस परियोजना में लगातार बाधाएं खड़ी की हैं। केरल में भाजपा की दोहरी इंजन वाली सरकार सत्ता में आते ही ये बाधाएं दूर हो जाएंगी। यह मोदी का आश्वासन है। केरल नई गति से विकास करेगा। इसे भी पढ़ेंः बलोचों का ऐलान, अगर हुए आजाद तो भारत को देंगे 3 जबरदस्त चीजें !
मोदी ने कहा कि ठऊअ की नीतियों से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाला समूह महिलाएं हैं। महिला सशक्तिकरण हमारी प्राथमिकता है। हमने उनके जीवन के हर स्तर पर चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम किया है। शौचालय निर्माण और बैंक खाते खोलने से लेकर उनके नाम पर घर उपलब्ध कराने और मुद्रा ऋण के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने तक, हमने उनकी नींव मजबूत की है। हम महिला स्वयं सहायता समूहों का भी समर्थन कर रहे हैं, और लखपति दीदी कार्यक्रम ने शानदार परिणाम दिए हैं। हमने पहले ही 3 करोड़ लखपति दीदियां बनाई हैं, और 3 करोड़ और बनाने का लक्ष्य रखा है। यदि केरल में भाजपा सरकार बनती है, तो महिलाओं को सबसे अधिक लाभ होगा।

FCRA विधेयक पर Kiren Rijiju की कांग्रेस को चेतावनी, झूठ फैलाया तो बेनकाब करेंगे

(एजेंसी)
नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एफसीआरए संशोधन विधेयक का बचाव करते हुए केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है और उन्हें बेनकाब करने की चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने ईसाई मिशनरियों से बातचीत की है और यह कानून केवल अवैध विदेशी चंदे वाले खातों को प्रभावित करेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों द्वारा विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के बारे में फैलाई जा रही झूठ को सरकार बेनकाब करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में ईसाई मिशनरियों से बातचीत की गई है ताकि उनकी चिंताओं का समाधान संवाद के माध्यम से किया जा सके। एएनआई से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि हमने केरल में ईसाई मिशनरियों से बातचीत की है और उनकी चिंताओं को सुना है। हमें सवाल-जवाब और संवाद के माध्यम से मिलकर काम करने की जरूरत है। मंत्री ने दावा किया कि हमने सभी चिंताओं को सुना है और केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों द्वारा फैलाए जा रहे झूठ को स्पष्ट कर दिया है कि सरकार का इरादा किसी भी धर्म या जाति के खिलाफ काम करने का नहीं है। अगर कम्युनिस्ट और कांग्रेस झूठ फैलाना जारी रखते हैं, तो हम उन्हें बेनकाब करेंगे। रिजिजू ने जोर देकर कहा कि भारत सरकार के तहत अल्पसंख्यकों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर मुसलमानों को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और स्पष्ट किया कि प्रस्तावित बदलावों से केवल अवैध एफसीआरए खाते ही प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि मैं अल्पसंख्यक मामलों का मंत्री हूं। प्रधानमंत्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले देश में अल्पसंख्यकों की उपेक्षा की जाती थी।

सुप्रीम कोर्ट ने एक झटके में निपटा दिए 61 मुकदमे, 32 साल बाद दंपती को मिला तलाक

(एजेंसी)
नई दिल्ली । ।भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने न्याय की एक मिसाल पेश करते हुए तीन दशकों से चल रहे एक लंबे कानूनी संघर्ष का अंत कर दिया है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली अपनी विशेष शक्तियों का उपयोग करते हुए एक बुजुर्ग दंपती के बीच चल रहे मामले के साथ कुल 61 मुकदमों को एक झटके में रद्द कर दिया और उन्हें तलाक की मंजूरी दे दी। साल 1994 से चले आ रहे इस विवाद में पति और पत्नी के बीच देश की विभिन्न अदालतों में घरेलू हिंसा, संपत्ति विवाद और मानहानि जैसे दर्जनों मामले लंबित थे। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की पीठ ने यह महत्वपूर्ण आदेश देते हुए स्पष्ट किया कि जब किसी वैवाहिक रिश्ते में सुधार की कोई गुंजाइश न बचे और वह पूरी तरह टूट चुका हो, तो उसे खींचने के बजाय स्थाई रूप से समाप्त करना ही न्यायसंगत है। यह मामला मूल रूप से अवमानना याचिका के रूप में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था, लेकिन सुनवाई के दौरान पीठ ने पाया कि दोनों पक्ष पिछले 30 वर्षों से केवल कानूनी दांव-पेंच में उलझे हुए हैं। कोर्ट ने पहले दोनों पक्षों की काउंसलिंग करवाई और उन्हें आपसी सहमति से अलग होने के लिए प्रेरित किया। लंबी बातचीत के बाद, पति अपनी पत्नी को स्थाई भरण-पोषण (एलिमनी) के रूप में एक करोड़ रुपये की एकमुश्त राशि देने पर सहमत हुआ।अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि भविष्य में किसी भी पक्ष द्वारा उन्हीं पुराने मुद्दों पर कोई नया केस दर्ज नहीं किया जा सकेगा। पीठ ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 142 का उपयोग पूर्ण न्याय करने के लिए किया गया है ताकि पक्षकारों को कानूनी बाधाओं से मुक्त किया जा सके। दोनों पक्षों ने अदालत के समक्ष सहमति दी कि वे अब कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहते है

ए ए पी में हमले झेल रहे राघव चड्ढा का पलटवार- घायल हूं, इसलिए घातक हूं

(एजेंसी)
नई दिल्ली । राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वे संसद में शोर मचाने नहीं, बल्कि जनता के मुद्दे उठाने गए थे। उन्होंने इसे एक सुनियोजित हमला बताते हुए कहा कि जल्द ही सारे झूठ बेनकाब हो जाएंगे। राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाए गए आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने नरम मुद्दों को उठाने के आरोपों के जवाब में अपने बचाव में एक और वीडियो जारी किया है। वीडियो के साथ उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं बोलना नहीं चाहता था, मगर चुप रहता तो बार-बार दोहराया गया झूठ भी सच लगने लगता। उन्होंने कहा कि कल से मेरे खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चल रहा है। वही भाषा, वही शब्द, वही आरोप। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हमला है। आप नेता ने कहा कि पहले तो मैंने सोचा कि मुझे जवाब नहीं देना चाहिए। फिर मैंने सोचा कि अगर झूठ को सौ बार दोहराया जाए, तो

शायद कुछ लोग उस पर विश्वास कर लें। इसलिए मैंने जवाब देने का फैसला किया। आम आदमी पार्टी ने तीन आरोप लगाए हैं और कहा है कि इन तीन आरोपों के कारण वे राघव चड्ढा को संसद में बोलने का मौका नहीं देंगे। पहला आरोप यह है कि जब विपक्ष संसद से वॉकआउट करता है, तो राघव चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं। वे वॉकआउट नहीं करते। यह सरासर झूठ है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दूसरा आरोप यह है कि राघव चड्ढा ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव, उन्हें हटाने की याचिका पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। यह भी एक सरासर झूठ है। आम आदमी पार्टी के किसी भी नेता ने मुझसे इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए नहीं कहा–न औपचारिक रूप से और न ही अनौपचारिक रूप से। और राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के कुल 10 सांसद हैं, जिनमें से छह या सात ने खुद इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए। तो इसमें मेरी क्या गलती है? सारा दोष मुझ पर ही क्यों मढ़ा जा रहा है? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं संसद में शोर मचाने, चिल्लाने, माइक्रोफोन तोड़ने या गाली-गलौज करने नहीं गया था। मैं वहां जनता के मुद्दों को उठाने गया था। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी द्वारा उन्हें ₹डरपोक₹ कहना गलत है। उन्होंने कहा कि मैं संसद में चिल्लाने, तोड़फोड़ करने या गाली-गलौज करने नहीं गया हूं। मैं वहां लोगों के मुद्दे उठाने गया हूं। पंजाब के पानी से लेकर दिल्ली के प्रदूषण, महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं के मासिक धर्म अवकाश तक - मैंने कई मुद्दे उठाए हैं। चड्ढा ने अपने उत्तर का समापन धुरंधर के संदर्भ से कियाः सारे झूठ जल्द ही बेनकाब हो जाएंगे; घायल हूं इसी वजह घातक हूं।

मौसम विभाग ने जारी किया डबल अलर्ट! इन 22 राज्यों में तूफानी बारिश और ओले गिरने की दी चेतावनी

(एजेंसी)
नई दिल्ली । पश्चिमी विक्षोभ के चलते तकरीबन 22 राज्यों में बारिश-ओलावृष्टि का येलो और ऑरेंजे अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली-यूपी में पारा गिरने से गर्मी से राहत मिलेगी। जानिए मौसम का लेटेस्ट अपडेट। अप्रैल की शुरूआत के साथ ही देश के बड़े हिस्से में कुदरत का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। भारतीय मौसम विभाग ने एक साथ दो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की वजह से अगले कुछ घंटों में देश के 22 राज्यों में भारी उथल-पुथल की चेतावनी जारी की है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर प्रदेश और राजस्थान की गलियों तक मौसम ने ऐसी करवट ली है कि कहीं उमस से राहत मिल रही है तो कहीं ओलों की मार से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यह केवल एक सामान्य बारिश नहीं है, बल्कि तूफानी हवाओं और ओलावृष्टि का वह दौर है जो उत्तर-पश्चिम भारत के तापमान को 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिराने की ताकत रखता है। किसानों की मेहनत पर पानी फेरेंगे ओले इस बदलते मौसम का सबसे दुखद और गंभीर पहलू हमारे देश के मेहनतकश किसानों से जुड़ा हुआ है। शुक्रवार को अचानक बदले मौसम ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में ओलावृष्टि कर जहां तापमान गिरा दिया, वहीं खेतों में खड़ी फसलों के लिए संकट खड़ा कर दिया है। राजस्थान के उत्तरी हिस्सों में तो हालात और भी चिंताजनक हैं, भारी बारिश और ओलों ने फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया है। जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को उदयपुर, अजमेर, कोटा और जयपुर संभागों में भीषण तूफान और भारी बारिश की चेतावनी दी है। किसानों के मन में अब यह डर बैठ गया है

असम चुनावः हिमंता का Owais पर तीखा हमला, मिया समुदाय को बना रहे हैं हथियार

(एजेंसी)
नई दिल्ली । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने असदुद्दीन ओवैसी पर 'मिया समुदाय' को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है, साथ ही कांग्रेस पर चुनावी लाभ के लिए धार्मिक ध्रुवीकरण करने की साजिश में शामिल होने का दावा किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 4 अप्रैल को असदुद्दीन ओवैसी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि एआईयूडीएफ के समर्थन में असम दौरे के दौरान उनके चुनावी भाषणों का मकसद राजनीतिक लाभ के लिए मिया समुदाय का इस्तेमाल करना है। उन्होंने कांग्रेस पर ऐसे बयानों पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। सरमा ने दावा किया कि कांग्रेस ने चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने और मतदाताओं को धार्मिक आधार पर ध्रुवीकृत करने के लिए ओवैसी को असम में भेजा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि

ओवैसी के भाषणों से आबादी के कुछ खास वर्गों को लामबंद करने की कोशिशें झलकती हैं। कांग्रेस को निशाना बनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी ऐसे बयानों की आलोचना करने में विफल रही है और यूनुस तमूली और यूनुस अली जैसे लोगों से जुड़े विवादास्पद बयानों और घटनाओं पर चुप रही है। खोवांग निर्वाचन क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा उम्मीदवार चक्रधर गोगोई को भारी जीत मिलेगी, और हाल ही में उनके दौरे के दौरान मिले मजबूत जनसमर्थन का हवाला दिया। सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे पिछले दो वर्षों से जोरहाट के लिए सक्रिय रूप से काम नहीं कर रहे हैं।
सोनारी में भाजपा नेता की हत्या के मामले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना को चुनाव से जोड़ना अभी जल्दबाजी होगी, और उचित जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन का रिकॉर्ड और जमीनी स्तर पर पहुंच ने चुनाव से पहले उसकी स्थिति को मजबूत किया है।

केरल में राहुल गांधी का एल डी एफ पर बड़ा हमला, बोले- चुनाव बाद 'वामपंथ' नहीं बचेगा

(एजेंसी)
नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) पर अपनी 'वामपंथी' विचारधारा खोने का गंभीर आरोप लगाया है, और दावा किया कि चुनाव के बाद इसमें कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा क्योंकि सत्ता के लिए उसने भाजपा-आरएसएस से सांठगांठ कर ली है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) पर अपनी मूल विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाया और कहा कि आगामी चुनावों के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। 4 अप्रैल को केरल के अलाप्पुझा में एक जनसभा में बोलते हुए गांधी ने एलडीएफ की सिद्धांतों से समझौता करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एलडीएफ कई सालों से हमारे विरोधी रहे हैं, हमने

उनसे लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे। लेकिन कई सालों तक वे कुछ ऐसे विचारों के लिए खड़े रहे जिनसे हम सहमत नहीं थे, और हमने उन्हीं विचारों के आधार पर उनका विरोध किया। लेकिन वे किसी बात के लिए खड़े थे, और उसी के प्रतीक के रूप में उनके संगठन के नाम में 'वामपंथी' शब्द है। राहुल ने सवाल किया कि एलडीएफ का मतलब क्या है? वाम लोकतांत्रिक मोर्चा। सच कहूं तो, वाम मोर्चे में कुछ भी 'वामपंथी' नहीं है, और चुनाव के बाद वाम मोर्चे में कुछ भी 'वामपंथी' नहीं बचेगा। गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और वामपंथी दल (एलडीएफ) के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केरल की सांप्रदायिक सरकार को एक गुप्त शक्ति प्रभावित कर रही है, जो उनके अनुसार संविधान को नकारती है और जनता पर हमला करती है। उन्होंने कहा कि मंच पर बैठे नेता को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि उनकी नीतियां अब वामपंथी नहीं रहीं। उन्हें और वाम मोर्चे के कई कार्यकताओं को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि आज एलडीएफ सरकार को एक गुप्त शक्ति चला रही है। यह गुप्त शक्ति सांप्रदायिक है, भारत के संविधान को स्वीकार नहीं करती, भारत की जनता को बांटती है, उन पर हमला करती है, उन्हें अपमानित करती है, और केरल में हर कोई देख सकता है कि अब भाजपा, आरएसएस और वाम मोर्चे (सीपीएम) के बीच संबंध है। गांधी ने वाम मोर्चे (एलडीएफ) को अवसरवादी नेताओं का समूह बताते हुए कहा कि वे सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और भाजपा एवं आरएसएस से सहायता लेने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता, जो इन विचारों से सहमत नहीं हैं, खुद को धोखा दिया हुआ और आहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वाम मोर्चे के अधिकांश नेता अवसरवादी हैं। यह समझिएः कुछ अवसरवादी नेता सत्ता में आने के लिए कुछ भी करेंगे। उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि भाजपा या आरएसएस उनकी मदद कर रहे हैं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, कुछ नेता किसी विचारधारा में विश्वास रखते हैं। कुछ कार्यकताओं ने विचारधारा के लिए वर्षों तक काम किया है, जो खुद को धोखा दिया हुआ, निराश और आहत महसूस कर रहे हैं और अपनी पार्टी के साथ जो हो रहा है उससे बहुत दुखी हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया दून बुक फेस्टिवल–2026 का शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को देहरादून में आयोजित दून बुक फेस्टिवल–2026 का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकाशकों द्वारा लगाये गये स्टॉल का अवलोकन और गढ़वाली एवं कुमांउनी पुस्तकों का विमोचन भी किया। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने देशभर से आए साहित्यकारों, कलाकारों एवं साहित्य प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह महोत्सव साहित्य, संस्कृति और कला का अद्भुत संगम है, जो समाज में ज्ञान और विचारों के आदान–प्रदान को नई दिशा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस 9 दिवसीय महोत्सव में विभिन्न सत्रों, संवाद कार्यक्रमों, पुस्तक परिचर्चाओं तथा लेखक से मिलिए जैसे आयोजनों के माध्यम से साहित्यिक विमर्श को समृद्ध किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के लिए स्थापित चिल्ड्रेन पवेलियन को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इससे नई पीढ़ी में पठन–पाठन की रुचि विकसित होगी। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की समृद्ध साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि की इस पावन भूमि ने अनेक महान साहित्यकारों को जन्म दिया है और यह प्रदेश सदैव ज्ञान, संस्कृति एवं सृजन का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान, साहित्य भूषण तथा अन्य पुरस्कारों के माध्यम से साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है, साथ ही विभिन्न भाषाओं में ग्रंथ प्रकाशन हेतु अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में साहित्य ग्रामों की स्थापना की जा रही है, जिससे साहित्यकारों को सृजन के लिए अनुकूल वातावरण मिल सकेगा तथा उत्तराखंड को साहित्यिक पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

सीएम ने किया प्रशिक्षण ले रहे पुलिस कांस्टेबलों को संबोधित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को पुलिस लाइन देहरादून में प्रशिक्षण ले रहे पुलिस कांस्टेबलों को संबोधित किया। उन्होंने युवा कांस्टेबलों का उत्साहवर्धन करते हुए राज्य की कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने, आपदा प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाने तथा ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड पहाड़ी राज्य होने के कारण प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है, इसलिए पुलिसकर्मियों को आपदा प्रबंधन में निपुण बनना आवश्यक है। उन्होंने कानून व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त रखने के लिए जनता के साथ समन्वय बनाए रखने तथा अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कांस्टेबलों को आधुनिक प्रशिक्षण ग्रहण कर जनसेवा के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

मंत्री खजानदास ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

देहरादून। प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री खजानदास ने आज लोक भवन में उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान समाज कल्याण मन्त्री द्वारा सामाजिक कल्याण, अनुसूचित जाति और जनजाति कल्याण तथा अल्पसंख्यक कल्याण हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में राज्यपाल को अवगत कराया गया। मंत्री ने समाज के हित में हम इसके अतिरिक्त और अधिक क्या–क्या काम कर सकते हैं के साथ–साथ विभिन्न विकास योजनाओं, नीतिगत मुद्दों सहित अनेक समसामयिक विषयों पर चर्चा की। मंत्री खजान दास द्वारा राज्यपाल से मिलकर काफी प्रसन्नता व्यक्त की गई।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय ऊर्जा एवं आवास मंत्री से भेंट कर राज्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर की चर्चा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भेंट कर राज्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से हरिद्वार शहर में गंगा कॉरिडोर क्षेत्र से संबंधित लगभग 325 करोड़ की परियोजना के लिए धनराशि स्वीकृति का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने आगामी कुंभ–2027 के दृष्टिगत इस परियोजना के अंतर्गत विद्युत लाइनों के भूमिगतकरण एवं प्रणाली के स्वचालन हेतु भी प्रथम चरण में 325 करोड़ की धनराशि शीघ्र स्वीकृत करने का अनुरोध किया, साथ ही द्वितीय चरण के अंतर्गत शेष लगभग 425 करोड़ की धनराशि भी अनुमोदित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार एवं ऋषिकेश में आगामी कुंभ–2027 की तैयारियों के संदर्भ में हरिद्वार में घाटों के सौंदर्यीकरण, आवासीय सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं शहरी अवसंरचना के विकास हेतु केंद्र सरकार से आवश्यक सहयोग प्रदान किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से राज्य में

आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय यातायात को सुदृढ़ करने के हेतु रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना को मेरठ से हरिद्वार एवं ऋषिकेश तक विस्तारित करने के साथ ही देहरादून–हरिद्वार–ऋषिकेश मेट्रो कॉरिडोर के विकास का भी अनुरोध किया, ताकि इन शहरों के मध्य आवागमन को सुगम बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से क्षेत्र में सड़क यातायात पर निर्भरता कम होगी, यातायात जाम की समस्या में कमी आएगी तथा पर्यावरणीय दृष्टि से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

बेटी संग महिला ने की पति की हत्या, पुलिस ने किया खुलासा

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में हुई एक शख्स की मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मृतक की पत्नी व बेटी ने पहले इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की थी, हालांकि पुलिस उनके झांसे में नहीं आई और हत्या की इस वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस वारदात के सिलसिले में मृतक की पत्नी को गिरफ्तार करते हुए उसकी नाबालिग बेटी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला ने अपने अवैध संबंध का पता चलने की वजह से पति को रास्ते से हटा दिया। महिला ने बताया कि उसने पति की हत्या करने के बाद उसे जहरीला घोल पिला दिया था। यह वारदात कोतवाली श्यामपुर क्षेत्र के ग्राम लाहडपुर में हुई। शनिवार को मामले का खुलासा करते हुए हरिद्वार पुलिस ने बताया कि जब बेहद सतर्कता के साथ इस केस की गहन जांच की गई, तो यह मामला हत्या का निकला। इस वारदात में मृतक की पत्नी और नाबालिग पुत्री की मिलीभगत सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,

दो अप्रैल को पूजा नामक महिला ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसके पति बबलू ने शराब के नशे में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फील्ड यूनिट ने मौके का निरीक्षण किया, जहां परिस्थितियां संदिग्ध पाई गईं। जिसके बाद पुलिस ने सबूत इकट्ठा कर जांच शुरू की।

तीन राज्यों में चोरी करने वाला अंतर्राज्यीय चोर गिरोह हत्थे चढ़ा

हल्द्वानी। तीन राज्यों में घर की रेकी के बाद शातिराना अंदाज से चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले पेशेवर अपराधी को नैनीताल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से हल्द्वानी के दो घरों से चोरी सोने–चांदी के जेवर मिले। आरोपी राजमिस्त्री की आड़ में कई राज्यों में चोरी की वारदात को अंजाम देता था। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।शनिवार को पुलिस बहुद्देशीय भवन में एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने चोरी की घटनाओं का खुलासा किया। एसएसपी ने बताया कि 10 जनवरी 2026 को ललित सिंह निवासी सत्यानंद कॉलोनी और 16 नवंबर 2025 को घनश्याम चंद्र निवासी हरिशिव विहार, मुखानी ने तहरीर देकर कहा कि उनके घर से सोने–चांदी के जेवर व बड़ी मात्रा में नकदी चोरी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। 250 सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद पुलिस व एसओजी ने शुक्रवार रात गुंसाईपुर तिराहे से आरोपी मुंशी राम उर्फ सोनू निवासी सहारनपुर यूपी को गिरफ्तार किया।

गणुवासिरमोली के पंचायत घर के पास मृत मिला गुलदार

बागेश्वर। धरमघर वन रेंज के अंतर्गत गणुवासिरमोली गांव के पंचायतघर के पास एक गुलदार अचेतावस्था में मिला, जिसकी वन विभाग की टीम के पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच प्रक्रिया शुरू की। गांव निवासी चंद्रशेखर जोशी ने शनिवार सुबह पंचायतघर के पास गुलदार को अचेत अवस्था में देखा, जिसके मुंह से झाग निकल रहा था। उन्होंने इसकी जानकारी ग्राम प्रधान नीमा धामी को दी, जिसके बाद वन विभाग को सूचित किया गया। सूचना पर रेंजर दीप जोशी टीम के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक गुलदार दम तोड़ चुका था। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर लीसा फैक्ट्री अन्नपूर्णा के पास पहुंचाया, जहां पशुपालन विभाग की टीम ने पोस्टमार्टम किया। रेंजर दीप जोशी ने बताया कि प्रथम दृष्टया गुलदार की मौत कमजोरी के कारण प्रतीत हो रही है, हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। उन्होंने बताया कि मृत नर

गुलदार की उम्र लगभग छह वर्ष और लंबाई करीब दो मीटर थी। पोस्टमार्टम के बाद वन विभाग ने शव का विधिवत निस्तारण करते हुए उसे जला दिया।

उत्तराखंड को मिली बड़ी सौगात: भूस्खलन प्रभावित स्थलों के सुधार हेतु 461 करोड़ स्वीकृत

–चारधाम यात्रा मार्ग होगा और सुरक्षित, एनएस–134 पर व्यापक कार्यों को मंजूरी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में भूस्खलन प्रभावित स्थलों के उपचार एवं मरम्मत कार्यों के लिए 461 करोड़ की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं केंद्र सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने इसे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय बताया है, जिससे प्रदेश की सड़क अवसंरचना को नई मजबूती मिलेगी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इस स्वीकृति के अंतर्गत उत्तरकाशी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग–134 पर भूस्खलन से प्रभावित 17 स्थलों के उपचार के लिए 233 करोड़ तथा पिथौरागढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग–09 के तवाघाट–घटियाबागड़ खंड पर 3 संवेदनशील स्थलों के लिए 228 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। यह पहल न केवल

आपदा जोखिम को कम करने में सहायक होगी, बल्कि प्रदेश के दुर्गम एवं सीमांत क्षेत्रों में आवागमन को भी सुगम बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग–134, जो चारधाम यात्रा का एक प्रमुख मार्ग है, उत्तराखंड में धरासू एवं कुठनोरी से यमुनोत्री धाम को जोड़ता है। यह मार्ग भूस्खलन की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील रहा है, जिसके कारण कई बार यातायात बाधित होता है और यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण होने से इस मार्ग की स्थिरता बढ़ेगी, जिससे चारधाम यात्रा अधिक सुरक्षित एवं सुगम हो सकेगी। साथ ही धार्मिक पर्यटकों, पर्यावरण प्रेमियों एवं स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग–09 पर तवाघाट–घटियाबागड़ खंड में भूस्खलन संभावित स्थलों के उपचार से सीमांत क्षेत्रों तक निर्बाध संपर्क स्थापित होगा। इससे न केवल स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से उत्तराखंड में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। यह स्वीकृति प्रदेश के समग्र विकास, पर्यटन को बढ़ावा देने और आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दून में पेंशन के पात्रों का समयबद्ध सत्यापन होगा

देहरादून। जनपद में सभी पेंशन प्राप्तकर्ताओं का समयबद्ध सत्यापन होगा और अपात्र एवं मृत पेंशनरों को सूची से हटाया जाएगा। समाज कल्याण एवं महिला कल्याण विभाग की ओर से संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए लाभार्थियों का शत–प्रतिशत भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। जानकारी के अनुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग, किसान, तीलू रौतेली, बौना पेंशन तथा 0 से 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों को पेंशन योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित सभी लोगों का सत्यापन किया जाएगा। सीडीओ अभिनव शाह ने बताया कि सत्यापन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजनाओं का लाभ केवल पात्र व्यक्तियों तक ही पहुंचे और किसी भी अपात्र को भुगतान न हो। सत्यापन कार्य के लिए शहरी क्षेत्रों में एसडीएम एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बीडीओ को नोडल अधिकारी नामित किया है। अधिकारियों को अपने अधीनस्थ पटवारी/लेखपाल तथा ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के माध्यम से सत्यापन कार्य पूर्ण कराने के निर्देश जारी किए गए है।

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में 52वें कृषि विज्ञान मेले का भव्य आयोजन

अल्मोड़ा।भाकृ अनुप–विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, हवालबाग में 'खेती में नवीनताझपोषण में श्रेष्ठता' थीम पर 52वें कृषि विज्ञान मेले का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। मेले में पर्वतीय कृषि की आधुनिक तकनीकों और शोध परिणामों को किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

ने किया। इस दौरान विभिन्न वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भी भागीदारी की। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम और परिषद गीत से हुई, जिससे आयोजन को गरिमामय वातावरण मिला। मेले के तहत किसानों को प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने उन्नत फसलों और नवीन तकनीकों का अवलोकन किया।

बागेश्वर में बूंदाबांदी के बाद बढ़ी जिले में ठंड

बागेश्वर। जिले में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है। शनिवार की सुबह से ही आसमान काले बादलों से घिर गया। अपराह्न एक बजे से बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण एक बार फिर से तापमान में गिरावट दर्ज हुई। सात डिग्री तापमान लुड़क गया है। बारिश ने अब किसानों की चिंता भी बढ़ानी शुरू कर दी है। इन दिनों जौ व मसूर की खेती तैयार हो गई है। बारिश से खेती के काम में दखल शुरू हो गया है। शुक्रवार को जहां जिला मुख्यालय का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस था वहीं शनिवार को लुढ़ककर 18 पहुंच गया है।

पर्यटक वाहनों की भीड़ में घुटा शहर का दम

ऋषिकेश। वीकेंड पर शनिवार को पर्यटक वाहनों के दबाव से ऋषिकेश शहर की सड़कें जाम में जकड़ उठीं। ट्रैफिक दबाव के चलते हालात बदतर हो गए। मुख्य मार्ग, हरिद्वार बाईपास और आंतरिक सड़कों पर वाहनों का दबाव इस कदर बढ़ा कि पैदल चलने तक की जगह नहीं बची। बाईपास रोड पर करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा, जबकि मुख्य मार्ग पर वाहन दिनभर रेंगते नजर आए। हैरानी की बात यह है कि न तो चारधाम यात्रा शुरू हुई है और न ही पर्यटन सीजन पूरी तरह सक्रिय हुआ है, इसके बावजूद शहर जाम से जूझता रहा।एआरटीओ कार्यालय के पास फंसे वाहनपूर्वान्ह 11 बजे के बाद हरिद्वार बाईपास मार्ग से ऋषिकेश आने वाले वाहन एआरटीओ कार्यालय के पास ही फंस गए। वाहनों की लंबी कतार दून मार्ग स्थित इंद्रमणि बडोनी चौक तक पहुंच गई। जाम से बचने के लिए पर्यटकों ने गूगल मैप के सहारे इंदिरानगर और आशुतोषनगर तिराहे की ओर रुख

किया, लेकिन संकरी गलियों में वाहन फंसने से स्थानीय लोगों की मुश्किलें और बढ़ गईं। दुर्घटना का खतरा देखते हुए पुलिस ने दोपहर करीब एक बजे इंदिरानगर मार्ग को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

मोल्हापुरी गांव में गुलदार ने चार बकरियों को बनाया निवाला

हरिद्वार। मोहल्लापुरी गांव में गुलदार ने चार बकरियों को अपना निवाला बना लिया। गुलदार की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। उन्होंने गुलदार को आबादी में रोकने की मांग वन विभाग से की है। क्षेत्र के मोल्हापुरी गांव पिछले कई दिनों से गुलदार की दस्तक से ग्रामीण भयभीत हैं। गुलदार गांव में दिन में भी दिखाई दे रहा है। लालढांग क्षेत्र के मोल्हापुरी गांव में बाड़े में बंधी बकरियों पर गुलदार ने हमला कर दिया। सुबह घूमने जा रहे लोगों ने जब बाड़े की तरफ गुलदार को देखा तो उन्होंने शोर कर उसे भगाया। शुक्रवार रात में गुलदार ने मोल्हापुरी गांव निवासी पवन के बाड़े की छह फीट ऊंची दीवार को कूदकर बाड़े में बंधी चार बकरियों मार दिया। पवन ने बताया कि काफी समय से इसी बाड़े में बकरियां बांध रहे हैं। वह बकरियां खरीद कर लाया था। वन विभाग के सेक्शन अधिकारी गौतम कुमार, वन बीट अधिकारी सुनील सैनी ने मौका मुआयना कर मुआवजे के लिए रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजने का आश्वासन दिया है। गुलदार की निगरानी के लिए भी गश्त टीम को तैनात कर दिया गया है, ताकि गुलदार आबादी क्षेत्र में न आ सके।

सड़क हादसे में वृद्धा की मौत

काशीपुर। महुआखेड़ा गंज क्षेत्र में बीते शुक्रवार को एक बाइक सवार ने पैदल जा रहे वृद्ध दंपति को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान देर शाम वृद्धा ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आईटीआई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा पांडे निवासी 65 वर्षीय लीलावती अपने पति जागन सिंह के साथ शुक्रवार सुबह नौ बजे साइकिल लेकर पैदल गांव के पास जंगल से मवेशियों के लिए घास काटने जा रही थीं। इसी दौरान महुआखेड़ा गंज स्थित हिमालयन फूड फैक्ट्री के पास एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने दंपति को टक्कर मार दी।

सड़क पर गड्ढे से बाइक अनियंत्रित, महिला की मौत

हल्द्वानी। पति के साथ बाइक पर पीलीभीत के लिए निकली महिला की सड़क पर बने गड्ढे ने जान ले ली। बाइक का अगला पहिया गड्ढे में जाने से बाइक अनियंत्रित हो गई और हादसा हुआ। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।शिवाजी नगर डहरिया निवासी संतोष कुमार अपनी पत्नी मीना (49 वर्ष) व बेटे विकास के साथ रहते हैं। शुक्रवार को संतोष और मीना को पीलीभीत जाना था। दोनों बाइक से निकले थे। विकास ने बताया कि खमरिया पुल के पास सड़क पर एक गड्ढा था। बाइक गड्ढे में जाते ही अनियंत्रित हो गई और बाइक सवार उसके माता–पिता सड़क पर गिर गए। गिरने से मीना के सिर पर गंभीर चोट आई। आनन–फानन में उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर उन्हें रेफर कर दिया गया। संतोष पत्नी मीना को लेकर डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय पहुंचे। यहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

मां पूर्णागिरि धाम में बढ़ी श्रद्धालुओं की भीड़

चम्पावत। टनकपुर के पूर्णागिरि धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। यहां श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए कतार में खड़े होकर बारी का इंतजार करना पड़ा। श्रद्धालुओं की भीड़ होने से व्यापारिक गतिविधियां भी तेज चल रही हैं। टनकपुर के मां पूर्णागिरि धाम में लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। मेला समिति के अध्यक्ष किशन तिवारी ने बताया कि दूर–दराज राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं का सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सेवा के लिए स्वयं सेवकों की तैनाती की गई है।

जंगल में चल रही पार्टियां, वन सुरक्षा पर सवाल

लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र में लगे हैं गंदगी के ढेर | **गर्मी के मौसम में आग लगने का बढ़ा खतरा**

कोटद्वार के आसपास जंगलों में पड़ी शराब की खाली बोतलें

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः वनों को आग से बचाने के लिए सरकारी तंत्र तैयारियों में जुट गया है। लेकिन, जंगलों के किनारे चल रही शराब की पार्टी तंत्र की इस चुनौती को बढ़ा सकते हैं। दरअसल, शाम ढलते ही लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र के जंगलों से लगी सड़कें बार में तब्दील हो जाती हैं। खुले आम शराब के जाम टकराते हुए सिगरेट के धुएं के छल्ले उड़ाए जाते हैं। ऐसे में खुश्क वातावरण में छोटी सी चिंगारी रौद्र रूप धारण कर सकती है।

शहर से सटे लैंसडौन वन प्रभाग के जंगल शाम ढ़लते ही शराबियों का अड्डा बन जाते हैं। सबसे बुरी स्थित कोटद्वार–पुलिंडा मोटर मार्ग की होती है, जहां शाम ढलते ही महफिलें सजने लगती हैं। इतना ही नहीं, डिग्री कालेज-मवाकोट रोड, सिद्धबली मंदिर-सनेह रोड, कोटद्वार-दुगड्डा रोड पर भी युवाओं की महफिलें नजर आए जाएंगी।

पियक्कड़ जहां जंगलों में प्लास्टिक के गिलास, प्लेट, कांच की बोतलें फेंक जंगल की सुंदरता पर बदनुमा दाग लगाते हैं, वहीं वनों के लिए खतरा भी बने हुए हैं। कई बार यह पियक्कड़ असामाजिक तत्व जलती हुई सिगरेट व बीड़ी को भी जंगल में फेंक कर चले जाते हैं, जिससे आग का खतरा अधिक बढ़ जाता है। गर्मी बढ़ने के लिए यह स्थिति और अधिक विकराल रूप ले सकती है।

फूटी बोतलों से जानवरों को खतरा

मार्ग में असामाजिक तत्व शराब पीने के बाद खाली बोतलों को जंगल में तोड़ देते हैं। इससे जंगल में घूमने वाले जानवरों को खतरा बना रहता है। साथ ही गंदगी से भी जंगल बदसूरत होते जा रहे हैं। चौंकाने वाली बात तो यह है कि जंगलों की सुरक्षा का दवा करने वाला वन विभाग भी अपनी जिम्मेदारी को लेकर लापरवाह बना हुआ है।नतीजा, असामाजिक तत्वों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं।

कर्मचारी का नहीं करवाया सत्यापन, पुलिस ने काटा चालान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रिखणीखाल ब्लाक मुख्यालय में स्थित शराब की दुकान में कार्यरत एक कर्मी का सत्यापन न कराए जाने पर पुलिस ने दुकान स्वामी को दस हजार का चालान किया है। पुलिस ने उक्त कर्मी का सत्यापन किया तो पता चला कि उक्त के खिलाफ उत्तर प्रदेश में आपराधिक मामले दर्ज हैं।

रिखणीखाल थाना प्रभारी मोहम्मद अकरम ने बताया कि आपरेशन प्रहार के अंतर्गत क्षेत्र में किराएदारों सहित अन्य बाहरी लोगों का सत्यापन किया जा रहा है। बताया कि अभियान के दौरान पता चला कि मुख्यालय में स्थित शराब की दुकान में कार्यरत कर्मी का सत्यापन नहीं हुआ है। जिस पर कर्मी उत्तर प्रदेश के अंतर्गत मिर्जापुर–सहारनपुर निवासी गोविंद का सत्यापन किया गया तो पता चला कि उसके विरुद्ध सहारनपुर के थाना मिर्जापुर व थाना रामपुर में चोरी, आर्म्स एक्ट, लूट, मारपीट व गैगस्टर अधिनियम के अपराध पंजीकृत हैं। बताया कि पुलिस ने तत्काल गोविंद को क्षेत्र छोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही दुकान स्वामी का दस हजार का चालान किया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले युवक गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में दुष्कर्म के आरोपी युवक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोल्ड-ड्रिक में नशीला पदार्थ मिलाकर नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ पोक्सो सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मामले में कुछ दिन पूर्व पीड़िता के स्वजनों ने पुलिस को तहरीर दी थी। जिसमें बताया गया था कि उनकी 16 वर्षीय बालिका घर से बिना बताए कहीं चली गई है। स्वजनों व बेटी के दोस्तों से जानकारी जुटाने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा है। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच शुरु कर दी थी। सीसीटीवी कैमरे तलाशने पर मालूम हुआ कि दो युवक नाबालिग को अपने साथ लेकर गए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि युवकों की पहचान बालसौड़ ब्रह्मपुरी निवासी कृष्ण भट्ट उर्फ कान्हाव रामपुर हल्लोवाली जनपद बिजनौर निवासी विमल रावत के रूप में हुई। जानकारी जुटाने पर मालूम हुआ कि युवक नाबालिग को लेकर चमोली चले गए। जहां पुलिस ने नाबालिग को उनके कब्जे से बरामद किया। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि दोनों आरोपित उसे एक होटल में लेकर गए जहां उन्होंने कोल्ड-ड्रिक में नशला पदार्थ मिलाकर उससे दुष्कर्म किया। आरोपितों के खिलाफ पोक्सो सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

भालू ने गाय को बनाया शिकार

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः विकासखंड के दूरस्थ गांव खंड तल्ला में एक बार फिर से भालू ने गोशाला तोड़कर मवेशी को मार डाला व दूसरे को घायल कर दिया। क्षेत्र में पिछले करीब 20 दिनों से भालू की दहशत बनीं हुई है। भालू ने अभी तक तीन मवेशियों को मार डाला है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू की दहशत से निजात दिलाने की मांग उठाई है। क्षेत्र खंड तल्ला के लोग इन दिनों भालू की दहशत से निजात पाने के लिए रतजगा करने को मजबूर हैं। ग्रामीण शाम ढलते ही देर रात तक मशाल, टॉर्च व लाठी–डंडों के साथ गांव और गोशालाओं की सुरक्षा करने को लेकर गश्त लगा रहे हैं। टीला से जिला पंचायत सदस्य डॉ. शिवचरण नौडियाल ने बताया कि बीती रात को भालू ने पशुपालक पिंकी देवी की गोशाला के दरवाजे तोड़ दुधारु गाय को मार डाला, जबकि दूसरे पशु को बुरी तरह से घायल कर दिया। भालू गोशालाओं की छत तोड़कर मवेशियों को मार रहा है। इससे क्षेत्र में भालू की दहशत और भी बढ़ गई है। बताया कि पिछले करीब 20 दिनों में भालू ने गोशालाओं को तोड़कर तीन मवेशियों को मार डाला था। इस प्रकार की दहशत के चलते ग्रामीणों की रातभर जागकर अपने पशुओं की सुरक्षा करने में जुटे हुए हैं। ग्राम प्रधान संदीप नेगी की सूचना पर पहुंचे वन विभाग की टीम ने निरीक्षण कर मुआवजे की रिपोर्ट तैयार की। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द ही भालू के आतंक से निजात दिलाने की मांग उठाई है।

विभाग ने स्काउट– गाइड का वार्षिक कैलेंडर किया जारी

जयन्त प्रतिनिधि पौड़ीः शिक्षा विभाग ने जनपद में भारत स्काउट गाइड की विभिन्न गतिविधियों के लिए नए वित्तीय का वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया है। साथ ही जिला मुख्य आयुक्त ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को ब्लॉकों में दल/कंपनी, रोबर रजेंर और बुलबुल दलों के गठन करने के निर्देश दिए । जनपद में 10 अप्रैल से द्वितीय सोपान और 15 अप्रैल से तृतीय सोपान जांच परीक्षा आयोजित होगी। जिला मुख्य आयुक्त/सीईओ अत्रेश सयाना ने बताया कि मई में राज्य पुरस्कार आयोजित करने के साथ ही विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे। मई से जून तक विभिन्न कालेजों में पांच दिवसीय समागम किया जाएगा। जून में स्वयंसेवियों/छात्रों को आपदा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अगस्त से सितंबर तक सद्भावना पखवाड़ा मनाया जाएगा। अक्तूबर में जिला व प्रदेश स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम होंगे। जबकि फरवरी में राज्यपाल पुरस्कार के लिए गाइड चयनित होंगे। मार्च में राज्य व राष्ट्रपति पुरस्कार के साथ ही प्रधानमंत्री शील्ड के लिए दक्षता परीक्षा आयोजित होंगी। सचिव केशर सिंह असवाल ने विकासखंडवार विद्यालयों को अभी से कार्यक्रमों की तैयारियां शुरूकरने को कहा है।

शहर में धूमधाम के साथ निकली बाबा की निशान यात्रा

कोटद्वार में निकाली गई खाटू श्याब बाबा की शोभायात्रा में शामिल महिलाएं

यात्रा में शामिल खाटू श्याम बाबा की मनमोहक झांकी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर में खाटू श्याम बाबा की निशान यात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। हाथों में बाबा का झंडा पकड़े श्रद्धालु बाबा के भजनों पर झूमते हुए चल रहे थे। इस दौरान जगह-जगह यात्रा का फूलों से स्वागत भी किया गया। बदरीनाथ मार्ग स्थित टाटा कामर्शियल के समीप से यात्रा निकाली गई। यात्रा बदरीनाथ मार्ग, झंडाचौक, नजीबाबाद रोड होते हुए कौड़िया स्थित एक बारात घर में पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। श्रद्धालु एक-दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर चल रहे थे। बाबा के भजनों पर भी लोगों ने खूब नृत्य किया। खाटू श्याम बाबा के भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। बदरीनाथ मार्ग, झंडाचौक, नजीबाबाद रोड की ओर चल रही यात्रा का जगह-जगह फूलों से स्वागत किया गया। झंडाचौक में आतिशबाजी कर यात्रा का स्वागत किया गया। इसके उपरांत यात्रा कौड़िया स्थित एक बारात घर में पहुंचकर संपन्न हुई। श्री श्याम मित्र मंडल समिति के सदस्यों ने बताया कि शाम कार्यक्रम स्थल पर श्री श्याम बाबा की ज्योति प्रज्जवलित कर उनका श्रृंगार किया जाएगा। उसके उपरांत भजन गायक प्रशांत सूर्यवंशी व ज्योति पाल अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे।

डिप्लोमा इंजीनियरों की हड़ताल जारी, समस्याओं के निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः अपनी 27 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर डिप्लोमा इंजीनियरों की हड़ताल शनिवार को भी जारी रही। इंजीनियरों ने सरकार से जल्द से जल्द उनकी समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई।

मालूम हो कि वेतन बढ़ोत्तरी, दुर्घटना बीमा, पुरानी पेंशन बहाली सहित 27 सूत्रीय मांगों को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर 13 दिन से हड़ताल पर डटे हुए हैं। शनिवार को सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन के परिसर में जिलाध्यक्ष कौशिद अली के नेतृत्व में डिप्लोमा इंजीनियर ने मांगों को लेकर नारेबाजी की। कहा कि वह पूरी ईमानदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। बावजूद उनकी अनदेखी की जा रही है। कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर आशीष थपलियाल, आशीष असवाल, तेजेंद्र रावत, मुनीश बावरा, दीपेंद्र रावत, विवेक गुंसाई, अंकित तिवारी, महेश काला, भानु गैरोला, किशोर कोठारी, कुलदीप पाल, सुमित कुमार सैनी मौजूद रहे।

संगठन की मजबूती के लिए कार्य करें कार्यकर्ता व पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः आम आदमी पार्टी के सहप्रभारी विजय कोहली ने कहा कि पार्टी की मजबूती के लिए हर कार्यकर्ता व पदाधिकारी को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। पार्टी से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के लिए धरातल पर अभियान चलाया जाएगा। कोटद्वार पहुंचे आप के सह प्रभारी विजय कोहली का कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने स्वागत किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विजय कोहली ने कहा कि आम आदमी पार्टी सदैव जनता के हितों को लेकर कार्य करती है। समय-समय पर जन समस्याओं को लेकर आंदोलन भी किए जाते हैं। कहा कि हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हमें पार्टी से अधिक से अधिक लोगों को जोड़े। इस मौके पर चंद्रशेखर भट्ट, महेंद्र सिंह बिष्ट, महिताब सिंह रावत, शिव कुमार धस्माना, राजाराम नौटियाल, शिवकुमार धस्माना आदि मौजूद रहे।

पेड़ से गिरकर महिला घायल, हेली सेवा से भेजा एम्स

सतपुली तहसील के मलेठी गांव में घायल महिला को हेली सेवा से एम्स ले जाते लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सतपुली तहसील के मलेठी गांव में चारापत्ती काटने के दौरान एक महिला पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। हालत नाजुक होने पर उसे हेली सेवा के माध्यम से एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने बताया कि मलेठी गांव निवासी शर्मिला देवी (40 वर्ष) पेड़ पर चढ़कर चारापत्ती काट रही थीं।इसी दौरान वह अचानक करीब 10 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गईं, जिससे उनकी कमर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल नजदीकी हंस फाउंडेशन अस्पताल पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उच्च उपचार के लिए रेफर करने का निर्णय लिया। सीएमओ ने बताया कि मरीज की स्थिति को देखते हुए तत्काल हेली सेवा के लिए संपर्क किया गया। आपदा प्रबंधन अधिकारी दीपेश काला के समन्वय और सक्रिय प्रयासों से शीघ्र हेली सेवा उपलब्ध कराई गई। शासन के निर्देश पर हेली सेवा समय पर हंस फाउंडेशन पहुंची, जहां से घायल महिला को एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश भेजा गया।

चार दिन बाद पहुंचे घरेलू कुकिंग गैस सिलिंडर, टीम ने की जांच

कोटद्वार। आखिरकार दुगड्डा गैस एजेंसी में चार दिन बाद सिलिंडर की एक खेप पहुंची। सिलिंडर विक्रय के दौरान मौजूद रहे क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं बाट माप निरीक्षक ने दुगड्डा गैस एजेंसी के गोदाम का निरीक्षण किया। शनिवार को दुगड्डा में गैस एजेंसी की ओर से नगरपालिका के मेला मैदान में गैस वितरण का कार्य शुरू किया गया। चार दिन बाद ट्रक से पहुंचे सिलिंडरों की जांच की गई। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी केसी बौंठियाल, बाट माप निरीक्षक प्रदीप रावत ने संयुक्त निरीक्षण कर गैस से भरे सिलिंडरों के वजन की जांच की। गैस के सिलिंडरों की जांच के दौरान उनमें गैस का उचित भार पाया गया। बाट माप निरीक्षक प्रदीप रावत ने बताया कि दुगड्डा गैस एजेंसी से विक्रय किए जा रहे गैस सिलिंडरों में जांच के समय मानक के अनुरूप गैस पाई गई है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी केसी बौंठियाल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू कुकिंग गैस के दुरूपयोग पर नजर रखी गई। ऐसा कोई मामला नहीं मिला।

अस्पताल में गुलदार की धमक, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः विकासखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मरोड़ा में दिनदहाड़े गुलदार अस्पताल परिसर में ही धमक पड़ा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जानकारी के मुताबिक बृहस्पतिवार अपराह्न करीब 12 बजे गुलदार को अस्पताल परिसर के बाहर घूमते हुए देखा गया जिससे स्टाफ व ग्रामीणों में अफरा तफरी मच गई।

इसका वीडियो अस्पताल स्टाफ व स्थानीय ग्रामीणों ने बना लिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज सिंह ने पुष्टि करते हुए बताया कि बीते बृहस्पतिवार को गुलदार अस्पताल के मुख्य द्वार के पास ही टहलता हुआ दिखाई दिया। स्टाफ व ग्रामीणों के शोर मचाने पर गुलदार भाग गया। हालांकि इससे अस्पताल स्टाफ और आसपास के ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। बताया कि इससे पूर्व भी कई बार गुलदार अस्पताल के आसपास देखा जा चुका है। वन विभाग को सूचना देकर अस्पताल परिसर और आसपास गश्त बढ़ाने को कहा गया है। साथ ही गुलदार की दहशत को देखते हुए गांव के बीच वैकल्पिक स्थान पर स्वास्थ्य केंद्र संचालित करने की संभावना तलाशी की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र ही गुलदार की दहशत से निजात दिलाने की मांग उठाई है।

स्वास्थ्य शिविर का ग्रामीणों ने उठाया लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः पौड़ी विकास खंड कल्जीखाल अंतर्गत स्वास्थ्य सामुदायिक केंद्र घंडियाल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सरस्वती विद्या मंदिर में शिविर का आयोजन किया गया। अभियान के तहत स्वस्थ जीवन खुशाल जीवन कार्यक्रम के तहत लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर में सामान्य जांच,स्वास्थ्य परामर्श,लैब टेस्ट,एक्सरे, एएनसी चेकअप आदि सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई। निर्धारित समय तक 60 सामान्य जांच,40 टेस्ट प्रशिक्षण,18 चेस्ट एक्सरे,शिविर में किए गए। यह स्वास्थ्य शिविर डॉ मीनाक्षी वर्मा प्रभारी सीएससी घंडियाल के सानिध्य में आयोजित हुआ है। स्वास्थ्य शिविर में विशेष योगदान डॉ शुभम,सीएचओ अरुण कुमार,दीपक बिष्ट टीवी यूनिट,अमित बलूनी लैब टकनीशियन, एएनएम, एक्सरे टैक्सीनियन राहुल नेगी,सुनीता गुसाई एएनएम के अलावा संजू रावत आशा सहित क्षेत्र की विभिन्न आशा कार्यकत्रियों की उपस्थिति रही इसके अलावा क्षेत्र के समाजिक एवं विधिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी,सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य संदीप रावत का भी विशेष सहयोग रहा।

वार्षिकोत्सव में दिखा गायिका प्रियंका मेहर की आवाज का जादू

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः बीईएल रोड स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज आईएचएमएस कालेज का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान गायिका प्रियंका मेहर के गीतों ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ कालेज के प्रबंध निदेशक बीएस नेगी ने किया। बीएस नेगी ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर करियर के लिए संस्थान गंभीरता से कार्य कर रहा है। यही नहीं प्रति वर्ष छात्रों के मनोरंजन के लिए बड़े आयोजन किए जाते हैं। कार्यक्रम में गढ़वाल राइफल्स के संस्थापक लॉट सुबेदार बलभद्र सिंह नेगी की जीवनी पर आधारित वीडियो भी दिखाई गई।

आयोजित कार्यक्रम में गीतों की प्रस्तुति देती प्रियंका मेहर

इसके उपरांत गायिका प्रियंका मेहर की टीम ने गढ़वाली व अन्य गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस मौके पर कॉलेज के प्रबंध निदेशक बीएस नेगी, कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी, निदेशक प्रबंधन लेफ्टि नेंट कर्नल बीएस गुसाईं, प्रचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष अनुराग सेमवाल, मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष सुरेंद्र जगवान, होटल मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष बीरेंद्र आर्य, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड हर्षपाल सिंह रावत, आईक्यूएससी इंचार्ज डॉ. प्रवीन त्रिपाठी, विजय पंत आदि मौजूद रहे।

वीकेंड पर लैंसडौन में उमड़े पर्यटक, गुलजार हुई पर्यटन नगरी

कोटद्वार। पर्यटन नगरी लैंसडौन में दो दिन से पर्यटकों का तांता लगा है। लैंसडौन व आसपास के सभी होटल, रिजॉर्ट्स, होमस्टे पर्यटकों से गुलजार हैं। काफी समय बाद पर्यटकों की भीड़ से होटल व्यवसायियों, दुकानदारों के चेहरे खिल उठे हैं। पर्यटकों की भीड़ से फतेहपुर, बिलंगी, धोबीघाट, फरसूला, पालकोट, गोयूं, डेरियाखाल, चुंडई, असनखेत, घांघली, ताड़केश्वर, जयहरीखाल, गुमखाल, समखाल, हथनिया तक के सभी होटल व धर्मशालाएं शनिवार को फुल रहे। स्थिति यह रही कि पर्यटकों को जब कमरे नहीं मिल सके, तो उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। शुक्रवार रात कई पर्यटकों को रात वाहनों में गुजारनी पड़ी। शनिवार की सुबह से ही पर्यटकों के आने जाने का सिलसिला जारी रहा। लैंसडौन के दर्शनीय स्थलों भुल्ला ताल, टिप इन टॉप, कालेश्वर मंदिर, दरबान सिंह म्यूजियम, भीम पकोड़ा,

संजय शाही पार्क आदि में पर्यटकों की भीड़ जुटी रही। पर्यटकों ने बाजार में जमकर खरीदारी की। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सतीजा ने बताया कि लैंसडौन व आसपास 3000 लोगों के रुकने की व्यवस्था है लेकिन 5000 से भी अधिक पर्यटक लैंसडौन व आसपास पहुंचे हैं।

छात्राओं को बताई स्टोन पेंटिंग की बारीकियां

उत्तरकाशी। पीजी कॉलेज में दो दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी और कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को स्टोन पेंटिंग की बारीकियों की जानकारी दी।

पीजी कॉलेज में आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी और कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. पंकज पंत ने किया। वहीं, चित्रकला विभाग के प्रभारी डॉ. मनीष सेमवाल ने बताया कि दो दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को स्टोन पेंटिंग की बारीकियां के बारे में बताया गया। इससे प्रतिभागियों को नवीन कला तकनीकों को सीखने का अवसर प्राप्त हुआ।

वेलकम गेट से डेरियाखाल तक नहीं है स्ट्रीट लाइट

कोटद्वार। वेलकम गेट से डेरियाखाल तक स्ट्रीट लाइट नहीं होने से लोगों का शाम होते ही चलना मुश्किल हो गया है। शाम होते ही गुलदार के धमकने का खतरा सता रहा है। वेलकम गेट से लैंसडौन छावनी की सीमा शुरू हो जाती है। यहां से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय तक सेना के संस्थान एमईएस की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था है। सिविल क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की जिम्मेदारी छावनी परिषद की है। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय से कोटद्वार मार्ग पर वेलकम गेट तक एमईएस विभाग ने स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की है लेकिन वेलकम गेट से डेरियाखाल तक के मार्ग पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होने से लोग परेशान हैं। बाडियूं के पूर्व प्रधान एवं वर्तमान प्रधान पति विनोद नेगी कहते हैं कि वेलकम गेट से डेरियाखाल तक मार्ग पर स्ट्रीट लाइट न होने से वन्य जीवों का खतरा बना है।

पैदल राहगीर एवं दुपहिया वाहन चालकों का कई बार गुलदार से आमना–सामना हुआ है। ग्राम सभा के पास बजट का अभाव होने से तीन किमी दूरी तक स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। विधायक निधि से स्ट्रीट लाइट व्यवस्था का अनुरोध किया गया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री मिष्टी (MIYTIY) का जन्म दिनांक 17/03/2013 को रा0 अस्पताल कोटद्वार मे हुआ है।

मेरी पुत्री मिष्टी का जन्म प्रमाणपत्र पंजीकरण सं0–Uk11NBRY0324/140001520 है। जिसमें मेरा याने माता का नाम श्रीमती किरन अंकित हैं जो कि मेरा घरेलू नाम है। जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम कमला है जो कि मेरे समस्त दस्तावेजो आधार कार्ड, पेन कार्ड आदि में अंकित हैं । मुझे अब कमला नाम से ही लिखा पढ़ा व जाना जाता है। मेरी पुत्री मिष्टी (MIYSTIY) के जन्म प्रमाणपत्र में मेरा नाम किरन के स्थान पर कमला पत्नी दीपक बिष्ट अंकित कर जन्म प्रमाणपत्र निर्गत किया जाए।

कमला पत्नी श्री दीपक बिष्ट
निवासी पदमपुर, पट्टी– सुखरो,तहसील– कोटद्वार जिला पौड़ी गढ़वाल

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

ललित गर्ग

> नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दशार्ता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दशार्ता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मयार्दाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मयार्दा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

अनाज से ज्यादा अहम और क्या

भारत अपनी 30 फीसदी उर्वरक जरूरत के लिए आयात पर निर्भर है। मगर, कई उर्वरक जो देश में बनते हैं, उनकी इनपुट सामग्रियों पर ध्यान दें, ये तो निर्भरता 70 फीसदी तक बढ़ जाती है। क्या ये स्वस्थ स्थिति है?

अभी पिछले साल ही अमेरिका से व्यापार युद्ध के सिलसिले में जब चीन ने उर्वरकों का निर्यात रोका, तो उससे भारत भी गंभीर रूप से प्रभावित हुआ था। उसके पहले 2022 में रूस– यूक्रेन की लड़ाई शुरू हुई, तब भी भारत को उर्वरक आपूर्ति की समस्या से जूझना पड़ा था। अब पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से उससे भी बड़ी समस्या खड़ी होती दिख रही है। युद्ध के लंबा खिंचने के साथ देश में उर्वरकों की उपलब्धता की चिंता हर दिन अधिक गहराती जा रही है। ध्यान देने की बात है कि उर्वरकों का संबंध देश की खाद्य सुरक्षा से है। किसी भी देश की सवोच्च प्राथमिकता खाद्य के मामले में आत्म–निर्भरता होनी चाहिए।

लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज खेती–बाड़ी से जुड़ी अनिवार्य चीजों के मामले में भी भारत दूसरे देशों पर निर्भर बना हुआ है। मोटे आंकड़ों के मुताबिक भारत अपनी 30 फीसदी उर्वरक जरूरत के लिए आयात पर निर्भर है। मगर, कई उर्वरक जो देश में बनते हैं, उनकी इनपुट सामग्रियों पर ध्यान दिया जाए, ये तो निर्भरता 70 फीसदी तक बढ़ जाती है। क्या ये स्वस्थ स्थिति है? पिछले साल के आंकड़ों के मुताबिक इस मामले में भारत सबसे ज्यादा निर्भर रूस (18.1 प्रतिशत), सऊदी अरब (15.7), चीन (15) और मोरक्को (14.8 प्रतिशत) पर था। जॉर्डन, ओमान, कतर, यूएई और मिस्र अन्य देश हैं, जिनसे भारत उर्वरक के इनपुट आयात करता है। फिलहाल पश्चिम एशिया वाले तमाम देशों से आयात कठिन हो गया है। वहां जारी युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन सामग्रियों की कीमत में भी भारी उछाल आया है। इसका बोझ सरकारी खजाने पर पड़ेगा। पिछले साल केंद्र ने उर्वरक सब्सिडी के तौर पर 1.87 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। इस वर्ष इस मद में 1.71 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं। जाहिर है, वास्तविक खर्च इससे काफी ज्यादा होगा। बहरहाल, मामला सिर्फ सब्सिडी बजट का नहीं है। मुद्दा है कि इस बारे में दीर्घकालिक योजना क्यों नहीं बनाई जाती? क्यों नहीं इनपुट के स्रोतों का विस्तार कर उर्वरक उत्पादन का कार्य अपने देश में किया जाता?

अफगानिस्तान से लेकर भारत तक भूकंप के झटके!

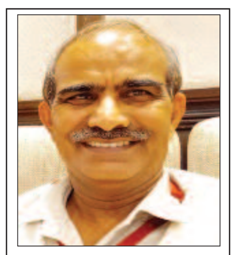

डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारत मे दिल्ली-एनसीआर सहित समूचे उत्तर भारत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके के आने पर लोग घरों से बाहर निकल गए। ये झटके दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा राजस्थानऔर पंजाब सहित कई प्रदेशों में महसूस किए गए हैं। इस भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में बताया जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होने से लोग दहशत में आ गए। गनीमत रही कि भूकंप से कहीं जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान बॉर्डर क्षेत्र में बताया जा रहा है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.9 मापी गई है। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर के उधमपुर, पुंछ और कश्मीर घाटी के कई इलाकों में महसूस किए गए हैं। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में जमीन के अंदर 175 किलोमीटर नीचे था। भूकंप का केंद्र जमीन के काफी अंदर होने की वजह से इसका असर कम हुआ है। अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सहित उत्तर भारत में भूकंप आने से पहले तिब्बत में धरती हिली थी। तिब्बत में बीती रात करीब 8.12 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तिब्बत में आए भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई थी। पिछले साल म?यांमार और थाईलैंड में दोपहर के समय आए भयंकर भूकंप को रिक?टर पैमान पर 7.9 की तीव्रता का नापा गया था। इतने तेज भूकंप के कारण दोनों ही देशों में भारी तबाही हुई थी। इन देशों की विशाल इमारतें और पुल ढह गए और भारी जान माल का नुकसान हुआ था।थाईलैंड के प्रधानमंत्री शिनवात्रा ने बैंकाक के अंदर आपातकाल की घोषणा की थी। इस भूकंप का केंद्र म्यांमार बताया गया था। जिसका भारी प्रभाव थाईलैंड तक पड़ा था। बैंकॉक में 7.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से इमारतें हिलने लगीं थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने बताया कि दोपहर को यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिसका केंद्र म्यांमार में था। ग्रेटर बैंकॉक क्षेत्र की आबादी 170 लाख से अधिक है, जिनमें से कई लोग ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में रहते हैं।दोपहर करीब डेढ़ बजे भूकंप आने पर इमारतों में अलार्म बजने लगे और घनी आबादी वाले मध्य बैंकॉक की ऊंची इमारतों एवं होटल से लोगों को बाहर निकाला गया। भूकंप इतना शक्तिशाली था कि कुछ ऊंची इमारतों के अंदरूनी हिस्सों में 'स्वीमिंग पूल' में पानी में लहरें उठती दिखीं। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए जहां सैंकड़ो लोग इमारतों से बाहर निकल आए। हालांकि जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि म्यांमार में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मंडाले शहर के पास 10 किमी की गहराई पर था। म्यांमार दुनिया के सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, असम और नागालैंड राज्यों में आज आए भूकंप से लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। वही दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में विगत वर्ष 17 फरवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए थे,जिसमे कई सेकंड तक धरती डोलती रही थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई थी, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया था, जिससे लोगों की नींद उड़ गई थी।भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आते है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते है। सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक?का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे। भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त

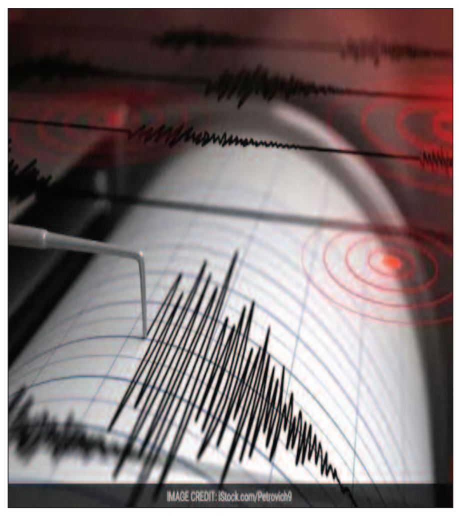

कर सकने की इसमें क्षमता होती है।भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।

(लेखक सामाजिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं।

इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम: प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक

सौरभ वार्ष्णेय

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में महिलाओं की आबादी लगभग आधी है, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से पारित महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करता है। यह कानून केवल सीटों का आरक्षण नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में अधिक संख्या में शामिल होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय सामने आ सकते हैं। हालांकि अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यानी, इसके वास्तविक प्रभाव को देखने में समय लग सकता है। यह देरी कहीं न कहीं इसकी तत्काल प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

सिर्फ कानून बना देने से ही महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं होता। समाज में पितृसत्तात्मक सोच, राजनीतिक दलों में टिकट वितरण की असमानता, और चुनावी खर्च जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक दल भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं।यह अधिनियम राजनीतिक दलों की वास्तविक प्रतिबद्धता की भी परीक्षा है। क्या वे महिलाओं को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित रखेंगे या सामान्य सीटों पर भी उन्हें पर्याप्त अवसर देंगे? यही इस कानून की सफलता का असली पैमाना होगा।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। लेकिन इसकी सफलता केवल इसके पारित होने में नहीं, बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में बदलाव पर निर्भर करेगी। यदि इसे सही भावना और नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित बना हुआ है। यह स्थिति केवल आंकड़ों की असमानता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के आधे हिस्से की भागीदारी कम हो, तो नीतियों में उनकी जरूरतों और दृष्टिकोण का समुचित प्रतिबिंब कैसे दिखाई देगा? भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का इतिहास संघर्ष और धीरे-धीरे हुए विस्तार का रहा है। स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने निश्चित रूप से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है, जिससे ग्रामीण स्तर पर नेतृत्व के नए उदाहरण सामने आए हैं। लेकिन यही प्रगति राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नहीं दिखती। संसद में महिलाओं की संख्या अभी भी अपेक्षाकृत कम है, जो यह दशार्ती है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा। इस असंतुलन के पीछे कई कारण हैं–सामाजिक रूढ़िवादिता, आर्थिक निर्भरता, शिक्षा और अवसरों की कमी, तथा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण और धनबल। महिलाएं अक्सर चुनाव लड? के लिए आवश्यक संसाधनों और समर्थन से वंचित रहती हैं। साथ ही, राजनीतिक दल भी उन्हें ₹विनिंग कैंडिडेट₹ के रूप में कम आंकते हैं, जिससे टिकट वितरण में भेदभाव दिखाई देता है।हालांकि, हाल के वर्षों में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर चर्चा और पहल ने उम्मीद जगाई है। यदि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होता है, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होगा, जो न केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा बल्कि नीति-निर्माण में संतुलन भी लाएगा।फिर भी, केवल आरक्षण ही समाधान नहीं है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, और सामाजिक सोच में बदलाव भी उतना ही आवश्यक है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे स्वेच्छा से अधिक संख्या में महिलाओं को टिकट दें और नेतृत्व के अवसर प्रदान करें। साथ ही, समाज को भी महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। एक सशक्त लोकतंत्र वही है जिसमें हर वर्ग की आवाज बराबरी से सुनी जाए। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल उनका अधिकार नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास और बेहतर शासन की अनिवार्यता है। अब समय आ गया है कि आधी आबादी को आधा प्रतिनिधित्व भी मिले।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। देश की लगभग आधी आबादी होने के बावजूद संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व सीमित रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का पारित होना न केवल राजनीतिक सुधार का संकेत है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। इस बिल के लागू होने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है, जिससे इसकी प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ समय लग सकता है। यही वह बिंदु है, जिस पर विपक्ष और कई विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती है, तो इसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यह भी जरूरी है कि आरक्षण केवल संख्या तक सीमित न रहे, बल्कि महिलाओं को वास्तविक नेतृत्व और निर्णय लेने की शक्ति भी मिले। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपनी आंतरिक संरचनाओं में भी बदलाव लाने होंगे और महिलाओं को टिकट वितरण में प्राथमिकता देनी होगी। महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह विधेयक केवल महिलाओं के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि यह एक मजबूत, संतुलित और न्यायपूर्ण समाज की नींव रखने की कोशिश है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com

सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए

मुंबई एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट बॉडी स्टैंडर्ड्स पर अपनी बात रखते हुए बताया है कि किस तरह से सोशल मिडीया का दखल व्यक्तिगत जीवन में बढ़ गया है।

कुब्रा ने लोगों को सलाह भी दी है कि इन चीजों के लिए सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय खुद के अंदर झांकना चाहिए। इस विषय में कुब्रा कहती हैं, 'असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षाएं हैं। अगर इंसान का आत्मविश्वास मजबूत हो, तो बाहर की चीजें उसे ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकती।' इसके अलावा उन्होंने अपनी बात करते बताया कि वे खुद को फिट रखने पर ध्यान देती हैं, लेकिन किसी तरह के बदलाव का सहारा नहीं लेतीं। हालांकि, वह यह भी मानती हैं कि हर किसी की अपनी पसंद होती है और ऐसे में हर किसी को चाहिए कि वे दूसरों को जज न करें। कुब्रा कहती हैं, 'हर किसी की अपनी जर्नी होती है, अपनी पसंद होती है, इसलिए दूसरों को जज करने या उनसे खुद की तुलना करने की बजाय अपनी लाइफ और अपने सफर पर ध्यान दें।' इन सबके अलावा अपने करियर के बारे में बात करते हुए कुब्रा ने यह भी बताया कि मेहनत और अनुशासन उनके लिए बहुत जरूरी रहे हैं। हालांकि मुंबई आना उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट था, जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का मौका मिला।

कॉकटेल 2 मे मेरा किरदार दर्शकों को हैरान कर देगा

कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म कॉकटेल 2 सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं हाल ही में कृति ने अभी तक के अपने सबसे हॉट किरदार के बारे में बताया। अभिनेत्री का कहना है कि उनका यह रोल दर्शकों को हैरान कर देगा।

एक खबर के अनुसार, हाल ही में कृति सेनन ने बताया कि 'कॉकटेल 2' में उनका नया लुक दर्शकों को हैरान कर देगा। कृति ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं 'कॉकटेल 2' पहले से काफी अलग दिख रही हूं। यह शायद अब तक का मेरा सबसे हॉट किरदार है।' कृति ने फिल्म 'कॉकटेल 2' के डायरेक्टर होमी अदजानिया की तारीफ करते हुए कहा, 'होमी की सौंदर्य समझ बहुत अच्छी है और वह स्वभाव से बहुत कूल हैं। उन्होंने मेरे अंदर एक ऐसा कूल पहलू निकाला है, जिसके बारे में मुझे खुद भी नहीं पता था।'

कृति ने क्यों की 'कॉकटेल 2'

कृति ने यह भी बताया कि उन्होंने 'कॉकटेल 2' का ऑफर क्यों स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पिछली फिल्म 'तेरे इश्क में' बहुत भावुक थी। इसलिए उन्हें कुछ हल्का-फुल्का और मजेदार काम चाहिए था। जब 'कॉकटेल 2' का ऑफर आया तो उन्होंने तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, 'बस यही वो जगह है, जहां मैं रहना चाहती हूं।' कृति ने आगे कहा कि वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाना पसंद करती हैं। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक आधुनिक लव ट्रायंगल है, जो दोस्ती और रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाता है।

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी समय से सोशल मीडिया पर सलमान की दिल राजू के साथ फिल्म को लेकर चर्चा हो रही थी। आज सलमान ने खुद अपने पोस्ट के जरिए इसकी पुष्टि कर दी है।

दिल राजू के साथ अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे सलमान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ काम करने जा रहे हैं। अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर की है। आगामी फिल्म के लिए सलमान निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ काम करेंगे। इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे।

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग अप्रैल में शुरू होने वाली है।

वामसी पेडिपल्ली को तेलुगु और तमिल सिनेमा में कई सफल फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्मोग्राफी में प्रभास (मुन्ना), एनटीआर (बृंदावनम), राम चरण और अल्लू अर्जुन (येवडु), नागार्जुन और कार्थी (ओपिरी), महेश बाबू (महर्षि), और विजय (वारिसु) जैसे सितारों के साथ कई फिल्में बनाई हैं।

'मातृभूमि' में नजर आएंगे सलमान खान

दिल राजू की फिल्म करने से पहले सलमान 'मातृभूमि : मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। अभिनेता प्रशांत तमांग के निधन के कारण इसकी रिलीज डेट टाल दी गई है। पहले इसे 17 अप्रैल 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब यह फिल्म 15 अगस्त 2026 या उसके आसपास रिलीज हो सकती है।

पूरी तरह रियल फिल्में बनाना चाहता हूं

एक्टर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन 'भूत बंगला' से एक बार फिर हॉरर-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए उनकी और अक्षय कुमार की हिट जोड़ी 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार है। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है और दर्शक बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस बीच अक्षय कुमार ने अपने एक्शन फिल्मों में सीन के शूटिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है।

अक्षय कुमार ने कहा कि आजकल एक्शन फिल्मों को बनाने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां एक्शन सीन असली होते थे, वहीं अब ज्यादातर काम वीएफएक्स के जरिए किया जाता है। उनके मुताबिक, इसमें मजा नहीं आता क्योंकि यह नकली लगता है। अक्षय ने कहा, 'मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो पूरी तरह रियल हो।' अक्षय, जो कराटे, ताइक्वांडो और कूडो जैसी मार्शल आर्ट्स में ट्रेंड हैं, उन्होंने कहा, 'अगर मैं कूद रहा हूं तो सच में कूद रहा हूं, वीएफएक्स का इस्तेमाल नहीं कर रहा। अगर मैं किक मार रहा हूं तो खुद मार रहा हूं, ऐसा नहीं कि 15 लोग मिलकर किसी को किक मारने में मदद कर रहे हों।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं बिना वीएफएक्स के एक एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं। मैं ये बात एआई के दौर में कह रहा हूं, लोग जो सोचें, लेकिन मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जिसमें असली एक्शन हो। दर्शक खुद महसूस कर सकें कि इसमें कितनी मेहनत लगी है, ना कि एआई या कंप्यूटर की मदद से किया गया काम।' बता दें कि भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसे प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं।

बॉलीवुड में काम करने पर क्या बोले नागा चैतन्य?

आमिर के साथ किया था हिंदी फिल्मों में डेब्यू

साउथ के अभिनेता नागा चैतन्य अपनी अपकमिंग फिल्म 'वृषकर्मा' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने साउथ के अलावा आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' (2022) में भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने बताया कि अपनी पहली हिंदी फिल्म के बाद उन्होंने कोई दूसरी हिंदी फिल्म क्यों साइन नहीं की। एक्टर का यह बेबाक जवाब तब आया है जब फैंस लगातार उनसे बॉलीवुड से उनकी गैरमौजूदगी के बारे में सवाल कर रहे हैं।

क्या हिंदी में काम करना चाहते हैं अभिनेता?

हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर उन्होंने कहा 'इसका कोई खास कारण नहीं है। यकीनन, मैं नए मौकों के लिए तैयार हूं। बस उस फिल्म के बाद, मैं यहां (साउथ) के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा था। उनमें मेरा काफी समय और मेहनत लगी। इसलिए, मैं हिंदी फिल्मों में काम करने के मौके का इंतजार कर रहा हूं। अपनी पूरी ऊर्जा के साथ वहां फिर से कुछ खास करने की उम्मीद कर रहा हूं।'

प्रेरित करने वाली हो फिल्म

नागा चैतन्य ने आगे कहा 'अब भाषा कोई रुकावट नहीं रही, दर्शक अलग-अलग भाषाओं की हर तरह की फिल्में देखते हैं। मैं हिंदी फिल्म करने के लिए तैयार हूं, लेकिन वह कुछ ऐसी होनी चाहिए जो मुझे प्रेरित करे। वह कुछ नई होनी चाहिए, जिसमें मुझे उन फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका मिले, जिन्हें मैं सच में पसंद करता हूं।'

बॉलीवुड के बारे में क्या बोले अभिनेता?

लाल सिंह चड्ढा के बारे में बात करते हुए नागा चैतन्य ने कहा 'मुझे उस फिल्म की शूटिंग में बहुत मजा आया। मैंने बहुत कुछ सीखा। वहां के लोग बहुत ही मिलनसार थे। उन्होंने मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रखा। इसलिए, मेरा यह अनुभव शानदार था। बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्मों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। इस फिल्म के नतीजों ने मेरी सोच में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है।' नागा चैतन्य आखिरी बार फिल्म 'तंडेल' में नजर आए थे। अगली बार अभिनेता फिल्म 'वृषकर्मा' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया

दिव्या दत्ता ने अपने अभिनय का जादू कुछ इस कदर लोगों के जहन में छोड़ा है कि उनका नाम ही उनकी मेहनत को बयां कर देता है। वीर ज़ारा, दिल्ली 6, भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्मों नज़र आईं दिव्या हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली में शिरकत करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने ओटीटी में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया है।

एक लंबा दौर रहा है जब कोई फिल्म रिलीज होती थी, तो लोग पूछते थे कि ऐक्टर कौन है। इस वजह से हिराइनों के किरदार की अहमियत ढक जाती थी। लेकिन ओटीटी पर महिला प्रधान सीरीज और फिल्में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। ओटीटी पर आने से क्या अब उन कलाकारों को एक संजीवनी में है, जो हीरो की साख में कहीं खो जाते थे? नवभारत टाइम्स के इस सवाल पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि ओटीटी आज सबको मौका दे रहा है। पहले इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर का कॉन्सेप्ट नहीं होता था। उस समय होता यह था कि तू भी आजा, वो भी आ जाए। एक ही किरदार आपको हर जगह दिखता था, ये ही कॉमिडी करेंगे, ये ही विलन होंगे, ये ही हीरो होंगे, लेकिन हिरोइनें बदल जाती थीं।'

टीवी एक्टर्स के लिए अच्छा समय

दिव्या ने आगे कहा, 'एक समय था जब लोग कहते थे कि टीवी के कलाकार फिल्मों में नहीं आ सकते और जो छोटे रोल करते हैं वो बड़े रोल नहीं कर सकते। अब वो लाइन खत्म हो गई है। अब अगर आप अच्छे हैं और आप उस रोल को सूट करते हैं तो आप हैं। और यह ऐक्टर के साथ बहुत ही बेहतरीन बात हुई है। इसका क्रेडिट मैं दर्शकों को दूंगी।'

लंबे करियर के बीच काम से ब्रेक लेना कितना जरूरी है, इस पर दिव्या कहती हैं, 'आपको काम से ब्रेक लेने की जरूरत पड़ती ही है। एक समय ऐसा भी आया था, जब मैंने पांच महीने का ब्रेक लिया था। क्योंकि कभी-कभी काम का बोझ इतना ज्यादा हो जाता है कि आपको आराम की जरूरत महसूस होती है। उस समय हर कोई मुझसे पूछता था कि क्या मैं अपने घर पर ठीक हूं? लोग कहते थे कि मुझे बाहर निकलना चाहिए, लोगों से मिलना-जुलना चाहिए। लेकिन जब आपकी कोई फिल्म रिलीज होती है और वह फिल्म अच्छी होती है, तो सारी चिंताएं दूर हो जाती हैं।'

ओटीटी कॉन्टेंट स्टार्स नहीं कहानी की जरूरत देखता है

ओटीटी पर आज बड़े स्टार्स से लेकर नए कलाकार तक नज़र आते हैं। लेकिन दिव्या का कहना है कि ओटीटी लोकतांत्रिक प्लेटफॉर्म है, यहां जो जिस काबिल है, उसे वो ही मिलता है, चाहे कितना भी बड़ा स्टार हो। वह कहती हैं, 'आज कई लोग कहते हैं, धुरंधर आई है तो उसका एक्शन तो हम बड़े पर्दे पर ही देखेंगे। लेकिन सब फिल्में उतनी अच्छी नहीं चलतीं, उन्हें उतना वक्त नहीं मिलता है। जैसे होता था कि फलाना हीरो होगा या हिरोइन होगी तो ही फिल्म पर्दे पर लगेगी, ओटीटी पर ऐसी कोई सीमा नहीं है। ओटीटी पर आप स्टार्स को भी देखेंगे लेकिन उन रोल में जो उन्हें सूट करते हैं। अगर जबरदस्ती का कोई किरदार उन्हें दिया जाता है तो उन्हें पसंद नहीं करते हैं। यह एक बहुत लोकतांत्रित प्लेटफॉर्म है। चाहे आप नए हों या जाने-माने ऐक्टर हों या कोई बड़े स्टार हों, अगर आप उस शो में हैं तो इसलिए हैं क्योंकि आप उस रोल से जुड़े हुए हो। वरना दर्शक निर्णय करते हैं कि फलाना शो नहीं देखते हैं और आपको पता चल जाता है कि उन्होंने किसको नकारा है।'

युद्ध के असर से कमो डिटी बाजारों में भारी गिरावट, ऊर्जा संकट ने बढ़ाई चिंता

– एफपीआई बिकवाली और महंगाई के खतरे से निवेशकों में सतर्कता

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और ऊर्जा संकट के चलते वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल तेज हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेजी से भारत जैसे आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका गहरा गई है। युद्ध के चलते वैश्विक कमोडिटी बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। मार्च महीने में प्रमुख सूचकांक में दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी बड़ी वजह विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली रही। कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही बाजार के लिए कई वर्षों में सबसे कमजोर साबित हुई है। ऊर्जा कीमतों में उछाल से कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। विशेष रूप से उन सेक्टरों पर असर अधिक दिख सकता है, जो कच्चे माल और ईंधन पर ज्यादा निर्भर हैं। इसके अलावा, होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे आने वाले बुवाई सीजन और खाद्यान्न उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है। हालांकि, इस नकारात्मक माहौल के बावजूद ब्रोकरेज हाउस और विश्लेषक पूरी तरह निराश नहीं हैं। उनका मानना है कि मौजूदा संकट अस्थायी है और हालात सामान्य होने पर बाजार में सुधार संभव है। अगले एक साल के लिए बाजार के अनुमानित लक्ष्य में बहुत मामूली कटौती की गई है, जो निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा गिरावट के बीच चुनिंदा सेक्टरों और मजबूत कंपनियों में निवेश के अवसर भी उभर सकते हैं,

खासकर वे जो कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी से लाभान्वित हो सकती हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.29 अरब डॉलर घटा, 688 अरब डॉलर पर आया

मुंबई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चौथे सप्ताह घटकर 688 अरब डॉलर पर आ गया है। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में भंडार में 10.29 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। इससे पहले यह 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये में कमजोरी को थामने के लिए बाजार में डॉलर की बिक्री की गई, जिसके चलते भंडार में गिरावट आई। साथ ही गोल्ड रिजर्व में भी कमी दर्ज की गई है। हालांकि अर्थशास्त्रियों के मुताबिक मौजूदा भंडार आयात कवर के लिहाज से अब भी संतोषजनक स्थिति में है।

भारतीय शेयर बाजार में तीन दिन रहा बड़ा उतार-चढ़ाव

- पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। महावीर जयंती 31 मार्च और गुड फ्राइडे 3 अप्रैल के अवसर पर बाजार बंद रहने के कारण केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा, जबकि सप्ताह के मध्य में सुधार की उम्मीदों ने बाजार को हरा निशान दिखाने में मदद की। विदेशी निवेशकों की निकासी और घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत ने सप्ताह की शुरुआत में गिरावट का माहौल बनाया, लेकिन ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार ने रिकवरी दिखाई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में ही बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 के स्तर पर था। दिन के अंत में गिरावट और तेज़ हुई और सेंसेक्स 1,635.67 अंक गिरकर 71,947

.55 पर, निफ्टी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर बंद हुआ। विदेशी निधियों की निकासी ने इस कमजोरी को और बढ़ाया। बुधवार को बाजार ने मजबूत शुरुआत की। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 1,899.53 अंक की तेजी दिखाई और 73,847.08 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 572.55 अंक बढ़कर 22,903.95 पर रहा। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,186.77 अंक बढ़कर 73,134.32 पर, और निफ्टी 348.00 अंक बढ़कर 22,679.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती बिकवाली के बाद दिन के सत्र में बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स अपने निचले स्तर से लगभग 950 अंकों की रिकवरी कर पाया और निफ्टी 22,450 का स्तर पार करने में सफल रहा। दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर सेंसेक्स 72,661.06 पर और निफ्टी 22,533.30 पर कारोबार कर रहे थे, जिससे स्पष्ट हुआ कि निवेशक निचले स्तर पर ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं। इस दौरान रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ।

पीएनबी अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की

– अधिकारियों के स्थानांतरण से बैंक के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव का खतरा

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के संगठन ने बैंक प्रबंधन से बड़े पैमाने पर किए गए तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की है। संगठन का कहना है कि ऐसे अचानक और व्यापक स्थानांतरण बैंक के संचालन और प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अशोक चंद्रा को पत्र लिखकर बताया कि 1,142 स्केल-4 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, जो कुल इस स्तर के अधिकारियों का लगभग 25 प्रतिशत हैं। संघ ने आरोप लगाया कि यह कदम नीति का पालन किए बिना मनमाने ढंग से उठाया गया और इसमें महिलाओं को भी राहत नहीं दी गई। संगठन ने प्रबंधन से आग्रह किया है कि वह संतुलित और मानवीय नीति अपनाए, ताकि बैंक की तरक्की और कर्मचारियों का मनोबल बना रहे। पीएनबी में लगभग एक लाख कर्मचारी हैं, जिनमें स्केल-4 स्तर के करीब 4,000 अधिकारी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर तबादले बैंक के संचालन और ग्राहक सेवा पर असर डाल सकते हैं।

प्याज का निर्यात 90 फीसदी घटा

-2200 रुपए क्विटल की प्याज, 800 रुपए किंटल पर आई

-बाजार में मांग कम, किसान परेशान

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख प्याज मंडियों में इस समय हालात चिंताजनक बने हुए हैं। निर्यात में करीब 90 फीसदी गिरावट आने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले साल जिस प्याज का भाव 2200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गया था, वही अब घटकर करीब 800 रुपए प्रति क्विंटल पर बिक रही है। मांग में कमी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुस्ती का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ा है।व्यापारियों का कहना है कि विदेशों में ऑर्डर कम मिलने और परिवहन लागत बढ़ने से निर्यात प्रभावित हुआ है। वहीं स्थानीय बाजारों में भी खपत घटने से कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसका सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है, जिन्हें लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। कई किसान सरकार से राहत पैकेज और निर्यात प्रोत्साहन की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

बीते डेढ़ महीने में सोना 41 हजार और चांदी 1.5 लाख रुपए टूटी

– डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही गिरावट

मुंबई ।

भारत में बीते डेढ़ महीने में सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार 29 जनवरी 2026 को 24 कैरेट सोना 1,75,340 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 2 अप्रैल 2026 को घटकर 1,34,293 रुपए हो गया। इसी अवधि में चांदी की कीमत भी 3,79,888 से घटकर 2,27,813 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। इस तरह केवल डेढ़ महीने में सोने में 41,047 और चांदी में 1,52,075 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने की बात करें तो 2 मार्च 2026 को सोना 1,67,471 और चांदी 2,89,848 रुपए पर थी। तब से अब तक सोने में 33,178 रुपए और चांदी में 62,035 रुपए की कमी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट मुख्य रूप से डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही है।

युद्ध जैसी वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के लिए डॉलर की ओर आकर्षित किया है, जिससे कीमती धातुओं की मांग घट रही है। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि सोने और चांदी में निवेश जोखिम से मुक्त नहीं है और कीमतों की अस्थिरता अभी भी जारी रह सकती है।

इसलिए निवेशकों को बाजार की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय रुझानों पर ध्यान देते हुए निवेश करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना और चांदी फिर से सुरक्षित निवेश विकल्प बन सकते हैं, लेकिन वर्तमान दौर में तेजी से उतार-चढ़ाव के कारण सतर्कता जरूरी है।

ट्रंप के टैरिफ का भारत पर संभा वित असर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं तथा उनके एक्टिव इंग्रेडिएंट्स पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसका भारत पर संभावित असर रहेगा, क्योंकि देश की फार्मा कंपनियों का अमेरिका में बड़ा निर्यात बाजार है। फिलहाल जेनेरिक, बायोसिमिलर और आवश्यक दवाएं टैरिफ से बाहर हैं, जिससे कई कंपनियों की निर्यात गतिविधियां सुरक्षित हैं। हालांकि, पेटेंटेड दवाओं और एपीआई पर बढ़ते टैरिफ से भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और उनका प्रतिस्पर्धात्मक लाभ घट सकता है। टैरिफ से अमेरिका में उत्पादन और रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। लंबे समय में इससे भारत में निवेश, उत्पादन और वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव पड़ सकता है, जबकि अमेरिकी बाजार में भारतीय फार्मा कंपनियों की हिस्सेदारी सीमित होने की संभावना है।

नए हफ्ते आईपीओ बाजार रहेगा सुस्त, केवल 2 नए इश्यू खुलेंगे

मुंबई ।

6 अप्रैल से शुरू हो रहे सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में ज्यादा गतिविधि नहीं रहने की संभावना है। इस दौरान केवल दो नए आईपीओ निवेशकों के लिए खुले रहेंगे, जबकि एक पहले से खुला आईपीओ भी जारी रहेगा। वहीं ``` वि विध इलेक्ट्रोमेक के शेयर बाजार में डेब्यू करेंगे। सेफ्टी कंट्रोल एंड` डिवाइस का 48 करोड़ रुपए का आईपीओ 6 अप्रैल से खुलकर 8 अप्रैल को बंद होगा। प्राइस बैंड 75-80 रुपए प्रति शेयर और लॉट साइज 1,600 शेयर है।

यह एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा और संभावित लिस्टिंग 13 अप्रैल को बीएसई एसएमई पर होगी। प्रोस्फेयर सेलेस्टा का आईपीओ 10 अप्रैल से 16 अप्रैल तक निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी 244.65 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रख रही है। प्राइस बैंड 10 लाख से 10.5 लाख रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। संभावित लिस्टिंग 24 अप्रैल को बीएसई पर हो सकती है।

27 मार्च को खुला इमाइक टेक्नोलॉजी का आईपीओ 8 अप्रैल तक खुलेगा। इसे अब तक करीब 35 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है।

वहीं` विविध इलेक्ट्रोमेक के 130.54 करोड़ के शेयर 7 अप्रैल को एनएसई एसएमई पर लिस्ट होंगे, जो पूरी तरह सब्सक्राइब हो चुके हैं।

वेदांता का मार्च तिमाही में एल्युमिनियम, जिंक का उत्पादन बढ़ा, लौह अयस्क का घटा

– वित्त वर्ष 2025–26 की अंतिम तिमाही में कंपनी का उत्पादन क्षेत्रवार मिला–जुला रहा

नई दिल्ली।

खनन और ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही का परिचालन परिणाम जारी कर` दिया है। रिपोर्ट में एल्युमिनियम और जस्ता उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात उत्पादन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी के अनुसार मार्च तिमाही में कुल एल्युमिनियम उत्पादन में 2 फीसदी वृद्धि हुई। इसके साथ ही जिंक इंडिया के खनन धातु उत्पादन में भी 2 फीसदी का इजाफा हुआ। यह संकेत है कि धातु खंडों में मांग और परिचालन क्षमता अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। हालांकि, तेल एवं गैस खंड में कंपनी का औसत दैनिक सकल उत्पादन 15 फीसदी घटकर 81,500 बैरल प्रति दिन रह गया। वहीं बिक्री-योग्य लौह अयस्क उत्पादन में 3 फीसदी और इस्पात उत्पादन में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने बयान में कहा कि वह कुशलता बढ़ाने, परिचालन पैमाने का विस्तार करने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वेदांता का व्यवसाय वैश्विक प्राकृतिक संसाधन और प्रौद्योगिकी समूह के तहत खनिज, ऊर्जा संक्रमण धातुएं, तेल एवं गैस और बिजली जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह मिला-जुला प्रदर्शन वैश्विक कच्चे माल की कीमतों, मांग में उतार-चढ़ाव और ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों को दर्शाता है। एल्युमिनियम और जस्ता में वृद्धि कंपनी की कुछ मजबूत धातु लाइन को उजागर करती है

, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात में गिरावट उद्योग में अस्थिरता और बाहरी दबाव का संकेत देती है।

इनॉक्सएपी ने होसुर में नया शुद्ध तरल ऑक्सीजन प्लांट शुरू किया

नई दिल्ली ।

औद्योगिक, इलेक्ट्रॉनिक और मेडिकल गैस निर्माता इनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (इनॉक्सएपी) ने तमिलनाडु के होसुर में नया अति शुद्ध (यूपीएच) तरल ऑक्सीजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया है। कंपनी का कहना है कि यह कदम देश के उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। कंपनी ने बताया कि नया प्लांट विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और सोलर सेल निर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों को समर्थन देगा। इससे उच्च गुणवत्ता वाली तरल ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ेगी और घरेलू विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी। इनॉक्सएपी का यह कदम तकनीकी नवाचार और उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे देश में औद्योगिक और मेडिकल गैस के क्षेत्र में मजबूती आएगी।

एक नजर

प्रो. मंजुला राणा को मिला सर्वश्रेष्ठ कहानीकार का सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्रीय साहित्य अकादमी के प्रतिष्ठित साहित्योत्सव–2026 में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की प्रोफेसर एवं कहानीकार प्रो. मंजुला राणा को हिंदी की सर्वश्रेष्ठ कहानी के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उनकी चर्चित कहानी डॉलर के लिए प्रदान किया गया। नई दिल्ली के रवींद्र भवन परिसर में 30 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित साहित्योत्सव में हिंदी कहानी वाचन कार्यक्रम में देशभर के प्रसिद्ध साहित्यकारों ने अपनी–अपनी कहानी पढ़ी। यह कहानी वाचन सत्र पद्म भूषण और ज्ञानपीठ से सम्मानित प्रसिद्ध लेखिका डॉ. प्रतिभा रॉय के सम्मुख सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो राणा ने डॉलर कहानी का वाचन किया। प्रो मंजुला राणा ने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य का क्षण है कि डॉलर कहानी को साहित्य के विद्वानों ने सराहा और इसे उत्कृष्ट सम्मान दिया। विवि के शिक्षकों एव साहित्य से जुड़े लोगों का कहना है कि यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत साहित्यिक योगदान का प्रमाण है, बल्कि हिंदी कथा–साहित्य की समृद्ध परंपरा को भी राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाला है।

अलकेश्वर घाट से नैथाणा पुल तक नशे का कब्जा

श्रीनगर गढ़वाल। नगर के प्रसिद्ध अलकेश्वर घाट और रेलवे के पास स्थित नैथाणा मोटर पुल क्षेत्र इन दिनों नशेड़ियों का अड्डा बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस स्थिति पर गहरी नाराजगी जताते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई और नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है।स्थानीय निवासी राहुल, राकेश और सुजान ने बताया कि पिछले काफी समय से अलकेश्वर घाट और नैथाणा पुल के आसपास नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। बीच में पुलिस गश्त बढ़ने से कुछ राहत जरूर मिली थी लेकिन अब फिर स्थिति पहले जैसी हो गई है। घाट पर सुबह–शाम बड़ी संख्या में लोग सैर के लिए पहुंचते हैं। घाट पर जगह–जगह शराब और बीयर की खाली बोतलें, सिगरेट और चिप्स के पैकेट बिखरे पड़े हैं। नगर निगम द्वारा लगाए गए कूड़ेदान भी भरे पड़े हैं जिससे गंदगी फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह से ही नशेड़ियों का आना शुरू हो जाता है, जबकि शाम होते–होते युवाओं के समूह यहां जमा हो जाते हैं। रात के समय स्थिति और अधिक खराब हो जाती है जिससे आसपास रहने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने कहा कि अलकेश्वर घाट और नैथाणा पुल क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए कार्रवाई की जाएगी, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

आस्था भट्ट मिस और हिमानी मिसेज उत्तरकाशी बनीं

उत्तरकाशी। कर्तव्य फाउंडेशन की ओर से आयोजित कर्तव्य यूथ उत्सव का अंतिम सांस्कृतिक संध्या हिमाचल प्रदेश के लोक गायक अरुण जस्टा के नाम रही। इस दौरान हुई प्रतियोगिता में आस्था भट्ट मिस और हिमानी रमोला मिसेज उत्तरकाशी बनी। रामलीला मैदान में आयोजित कर्तव्य यूथ उत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ कर्नल अजय कोठियाल व बड़कोट नगर पालिका अध्यक्ष विनोद डोभाल ने किया। उन्होंने कर्तव्य फाउंडेशन के इस कार्यक्रम की सराहना की।

इसके बाद हिमाचली गायक अरुण जस्टा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत हिमाली नाटियों से किया। इस दौरान तीन दिनों तक विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान मिस उत्तरकाशी में आस्था भट्ट प्रथम, खुशी द्वितीय व आयुषी नेगी तृतीय रही। वहीं, मिसेज उत्तरकाशी में हिमानी रमोला प्रथम, साक्षी पंवार द्वितीय, विनीता सेमवाल तृतीय स्थान पर रही। मिस्टर उत्तरकाशी में आयुष्मान जगूड़ी प्रथम, आयुष भट्ट द्वितीय, कुशल कुमार तृतीय स्थान पर रहे।

ओलावृष्टि से सेब की फ्लावरिंग तबाह

–बागवानों ने की नुकसान का सर्वे कर उचित मुआवजा देने की मांग

उत्तरकाशी। क्षेत्र में शनिवार दोपहर बाद हुई भारी ओलावृष्टि से सेब बागानों को नुकसान पहुंचा है। बगीचों में सेब की फ्लावरिंग ओलावृष्टि से नष्ट हो गई है। इससे किसान चिंतित नजर आने लगे हैं। बागवानों ने नुकसान का सर्वे कर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

शनिवार को क्षेत्र के करड़ा, सल्ला और धड़ौली में दोपहर बाद जमकर ओलावृष्टि हुई। बागवानों का कहना है कि इस समय बागानों में सेब की फ्लावरिंग चल रही है, ऐसे में ओलों की मार से भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय बागवान कपिल रतूड़ी, रामप्रसाद, विनोद रतूड़ी, जशवीर, श्याम लाल, जगदीश रतूड़ी, विजेंद्र रावत, अमीन सिंह और गोपाल भंडारी ने बताया कि अचानक हुई ओलावृष्टि से पेड़ों पर आए नाजुक फूल झड़ गए हैं। सेब की फ्लावरिंग प्रभावित होने से इस सीजन की पैदावार कम होनी तय है। बागवानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह बना रहा तो नुकसान और बढ़ सकता है। उनका कहना है कि सेब की खेती ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है और इस तरह की प्राकृतिक आपदा से उन्हें भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने कृषि एवं उद्यान विभाग से भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन करने और बागवानों को राहत प्रदान करने की मांग की है। सेब आड़ू, पुलम खुमानी की फसल को हुआ भारी नुकसानः पहले सूखे से और अब ओलावृष्टि ने काश्तकारों की चिंता बढ़ा दी है। शनिवार को हुई ओलावृष्टि और तेज आंधी से पल्ली मुंगरसन्ति के धारी कफनौल क्षेत्र में सेब आड़ू, पुलम खुमानी की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। तेज बारिश और ओलों की मार से गेहूं, टमाटर, मटर, फ्रेंचबीन, प्याज, लहसुन की फसल भी खराब हो गई है।

छात्रों को गढ़वाल विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा का इंतजार

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा का छात्रों को बेसब्री से इंतजार है। छात्रों का कहना है कि विवि ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा का अधिसूचनाजल्द जारी करने की बात कही थीं, लेकिन अभी तक अधिसूचना जारी न होने से छात्रों को प्रवेश की चिंता सता रही है। पूर्व में विवि की ओर से यूजीसी नेट, जेआरएफ, सीएसआईआर नेट, गेट, जीपैट, सीड, आईसीएमआर नेट, डीबीटी नेट आदि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के स्कोर तथा साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए आवेदन जारी किए थे, जिसकी अंतिम तिथि 15 मार्च निर्धारित थी। राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर ही पीएचडी में प्रवेश कराए जाने के निर्णय के विरोध व विवि की अपनी प्रवेश परीक्षा कराने की मांग के लिए 15 मार्च के बाद छात्र संगठनों की ओर से आंदोलन किया गया था। छात्रों के दबाव को देखते हुए विवि प्रशासन की ओर से पीएचडी में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई।

अधजले शवों के टुकड़ों को खा रहे लावारिस कुत्ते

उत्तरकाशी। जनपद मुख्यालय के मुख्य मोक्ष केदार घाट पर लावारिस कुत्ते भागीरथी नदी किनारे अधजले शवों के टुकड़ों को खा रहे हैं। गंगा विचार मंच से जुड़े लोगों का कहना है कि लोग अंतिम संस्कार के बाद बचे शव के टुकड़ों की सही ढंग से सफाई नहीं कर रहे हैं। जिससे कुत्तों के मुंह पर इंसानी मांस लगने से वह आम लोगों को काट रहे हैं। इस संबंध में प्रशासन और स्थानीय लोगों को मिलकर कदम उठाना होगा। गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र बिष्ट ने बताया कि इस प्रकार की स्थिति कोविड काल के समय भी केदारघाट में देखने को मिली थी। उस समय समझ सकते थे कि अंतिम संस्कार कई बंदिशों के बीच हो रहे थे लेकिन आजकल सामान्य दिनों में भी केदारघाट पर वही दृश्य देखने को मिल रहे हैं। आए दिन लावारिस कुत्तों का झुंड केदारघाट पर पहुंचता है। वहां पर वह अधजले शवों के टुकड़ों को खा रहे हैं। कुत्तों के मुंह पर इंसानी मांस का स्वाद लगने से वह सड़क पर चल रहे लोगों को भी काट रहे हैं। बीते दिनों भी कुत्तों ने 18 लोगों को काटकर घायल कर दिया था। प्रशासन सहित पालिका को इन कुत्तों को पकड़ने और मोक्ष घाट पर अंतिम संस्कार के बाद सफाई को लेकर एक अभियान चलाना चाहिए।

चेक बाउंस के आरोप में अभियुक्त को तीन माह का साधारण कारावास

नई टिहरी। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/ सिविल जज (सीडि) की अदालत ने चेक बाउंस के आरोप में एक अभियुक्त को तीन माह साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी को 4.30 लाख रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर अभियुक्त को दो माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी। परिवादी सुरेंद्र सिंह ने न्यायालय में दायर परिवाद पत्र में बताया कि दोनों के बीच काफी जान पहचान होने पर अभियुक्त ने परिवादी से अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए जून 2024 में पैसे उधार मांगने के दौरान कहा था कि वह जल्द ही उधार ली गई पूरी रकम छह माह में लौटा देगा। विश्वास में आकर परिवादी ने उसे 4.20 लाख रुपये उधार दे दिए। उस समय अभियुक्त ने परिवादी को गारंटी के रूप में एक चेक देते हुए कहा कि समय पर पैसे वापस नही मिलने पर वह चेक से अपनी धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। तय समय के बाद परिवादी ने अपने पैसे मांगे लेकिन वह टाल–मटोल करता रहा। उसके बाद परिवादी ने आरोपी की ओर से दिया गया चेक बैंक में जमा कराया लेकिन भुगतान नहीं हुआ। इस पर परिवादी ने आरोपी को सूचना दी। तब उसने एक सप्ताह बाद चेक लगाने को कहा। एक सप्ताह बाद फिर से चेक बैंक में जमा कराया। फिर भी भुगतान नहीं हुआ। और बैंक से वह चेक बाउंस हो गया।ः नोटिस के माध्यम से इसकी सूचना देने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया। तब परिवादी ने न्यायालय में वाद दायर किया। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट / सिविल जज (सीडि) आफिया मतीन की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अभियुक्त हिमानंद निवासी चंबा को चेक बाउंस का दोषी मानते हुए तीन माह साधारण कारावास की सजा सुनाई।

नशा मुक्ति केंद्र की टीम ने किया निरीक्षण, फर्जी डॉक्टर और एक्सपाइरी दवा मिली

चमोली। थराली ग्वालदम स्थित नशा मुक्ति केंद्र का आज प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने औचक निरीक्षण किया। समग्र ग्रामीण विकास समिति संस्था ग्वालदम द्वारा संचालित यह केंद्र पूरी तरह फर्जी पाया गया। उपजिलाधिकारी पंकज भटट ने बताया कि नशा मुक्ति केंद्र के पर कोई भी वैध दस्तावेज नहीं थे। समिति ने जिन 15 सदस्यों का रजिस्ट्रेशन केंद्र पर दिखाया है जिसमें डाक्टर, नर्स, योगा इंस्ट्रक्टर आदि के कोई डिग्री वैध नही पाई गई। डाक्टर की डिग्री आंध्र प्रदेश में रजिस्ट्रड है, जिससे एडिड कर मनोज भटट के नाम से दिखाया गया है। जबकि यह व्यक्ति बिना लाइसेंस के ग्वालदम में मेडिकल स्टोर चलाता है। इसके पास कोई मेडिसन मेंटेंन रजिस्ट्रर भी नहीं पाया गया नशा मुक्ति केंद्र में जो दवाईयां पाई गई वे सभी एक्सपायर डेड की मिली। यहां पर सीसीटीवी भी खराब पाये गये। ओपीडी कक्ष में सभी उपकरण जैसे स्पेगनोमीटर, वजन मशीन सभी बदं मिली।

कॉपियों की जांच पर छात्रों ने उठाए सवाल, विवि ने मांगे प्रत्यावेदन

उत्तरकाशी। परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी की शिकायतों का श्रीदेव सुमन विवि प्रशासन ने जल्द समाधान करेगा। विवि के अधिकारियों का कहना है कि रिजल्ट में हुई त्रुटियों का समाधान किया जाएगा। विवि के उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. हेमंत बिष्ट ने कहा कि किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। परीक्षा परिणामों से जुड़ी हर शिकायत का गंभीरता से समाधान किया जा रहा है। मूल्यांकन प्रक्रिया में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित परीक्षकों और कार्मिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार, अगस्तमुनि, कर्णप्रयाग, गोपेश्वर, जोशीमठ और ऋषिकेश परिसर समेत कई महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने विवि की ओर से हाल में जारी परीक्षा परिणामों पर सवाल उठाए है। छात्रों का आरोप है कि कार्बनिक रसायन विज्ञान, समाजशास्त्र, नॉन कॉर्डेट जंतु विज्ञान, अंग्रेजी व अन्य कई विषयों में उन्हें शून्य या एक अंक तक दिए गए, जबकि उन्होंने प्रश्नपत्र सही तरीके से हल किए थे। मूल्यांकन कार्य में गड़बड़ी के विरोध में छात्र–छात्राएं आंदोलनरत है। छात्र संगठनों का कहना है कि 75 में से 25 अंक न्यूनतम उत्तीर्णांक होने के बावजूद कई छात्रों को 24 अंक देकर अनुत्तीर्ण घोषित किया गया जिससे महज एक अंक से सैकड़ों छात्र फेल हो गए। छात्रों ने मूल्यांकन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर कई तरह की सवाल उठाए है।

पोखरी महाविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष आकाश चमोला, पूर्व अध्यक्ष अंशुल भंडारी व अन्य छात्रों ने विवि प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर प्रथम, तृतीय और पंचम सेमेस्टर के परिणामों में सुधार करने की मांग की है। उनका कहना है कि उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में जल्दबाजी और लापरवाही के कारण बड़ी संख्या में छात्र अनुत्तीर्ण हुए है। विवि के उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. बिष्ट का कहना है कि विवि सभी शिकायतों पर गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने छात्र–छात्राओं से अपील की कि वे सीधे विश्वविद्यालय या अपने–अपने कॉलेज के माध्यम से प्रत्यावेदन प्रस्तुत करें। हर शिकायत की जांच कर निष्पक्ष तरीके से समाधान किया जाएगा।

आदमखोर गुलदार को शूट करने के आदेश जारी,दो शूटर तैनात

कोटद्वार। गढ़वाल वन प्रभाग के क्षेत्रांतर्गत पोखड़ा के भतकोट गांव में चार साल की बच्ची को मारने वाले आदमखोर गुलदार को शूट करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इसके लिए क्षेत्र में दो शूटर तैनात कर दिए गए हैं। गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ महातिम यादव ने बताया कि प्रमुख वन संरक्षक की ओर से भतकोट और आसपास के क्षेत्र में सक्रिय आदमखोर गुलदार को पिंजरे में कैद करने, ट्रैंकुलाइज कर पकड़ने की अनुमति दी गई है। वहीं, सभी प्रयासों के बाद भी अगर आदमखोर गुलदार पकड़ में नहीं आता है, तब अंतिम विकल्प के रूप में उसे नष्ट करने की भी अनुमति प्रदान की गई है। डीएफओ ने कहा कि यह अनुमति केवल चिह्नित गुलदार के लिए ही मान्य है। यह अनुमति अगले एक माह तक प्रभावी रहेगी। दो शूटर क्षेत्र में तैनात किए गए हैं। ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग द्वारा पालतू मवेशियों के लिए चारा–पत्ती की व्यवस्था भी की जा रही है।

नजर नहीं आया गुलदार, पिंजरे व कैमरा ट्रैप की संख्या बढ़ाई

सतपुली। शनिवार को भतकोट में घटनास्थल के आसपास लगे कैमरा ट्रैप, सोलर सीसीटीवी एवं पिंजरों के आसपास गुलदार नजर नहीं आया। पोखड़ा के रेंज अधिकारी नक्षत्र शाह ने बताया कि शनिवार को विभाग ने पिंजरों की संख्या 2 से बढ़ाकर 6 कर दी है। वहीं, 15 कैमरा ट्रैप, 2 सोलर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं जबकि 30 वन कर्मियों की टीम अलग–अलग समूहों में गश्त कर रही है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ वार्षिकोत्सव

उत्तरकाशी। अल्पाइन पब्लिक स्कूल का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। शनिवार को कलेक्ट्रेट के प्रेक्षागृह में आयोजित वार्षिकोत्सव का शुभारंभ गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने किया।प्रधानाचार्य सेवानिवृत्त मेजर आरएस जमानल ने वार्षिक प्रगति आख्या सबके सामने रखी। कहा कि विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इसके बाद छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति श्रीमद्भागवत गीता पाठ से किया। इसके बाद गढ़वाली, कुमाउंनी, जौनसारी, जौनपुरी सहित हिंदी, भोजपुरी गानों पर रंगारंग प्रस्तुति दी। वहीं, छात्राओं ने अपनी बोली अपनी भाषा पर को लेकर अभिभावकों को जागरूक किया। साथ ही नाटक के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्त के प्रति भी लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर नगर पालिका सभासद अमेरिकन पुरी, आदित्य चौहान, भारतभूषण भट्ट, सतीश नौटियाल, नीलम पुरी, निधि गुप्ता, अंजना भंडारी, दीक्षा, कोमल कुटियाल, स्वाति आदि मौजूद रही।

अप्रैल में 50 से अधिक शादियां, व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति नहीं होने से घरों में बढ़ी चिंता

चमोली। व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति नहीं होने से शादी वाले घरों में लोगों की चिंता बढ़ गई है। अप्रैल माह में विकासखंड में 50 से अधिक शादियां हैं। लोगों का कहना है कि शादी समारोह के लिए अन्य व्यवस्थाएं हो गई हैं लेकिन सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। दो गैस एजेंसी थराली व नारायणबगड़ घरेलू गैस व व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति करती है।यहां करीब सात हजार से अधिक उपभोक्ता हैं। गैस एजेंसी के वाहन यहां नहीं आने से उपभोक्ता एजेंसी के गोदामों से सिलिंडर लेने के लिए मजबूर हैं लेकिन गोदाम में व्यावसायिक सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं। कैल गांव के मदन मिश्रा के बेटे का विवाह 29 अप्रैल, बेराधार के रघुवीर सिंह की पुत्री का विवाह 20 अप्रैल व अठ्ठू के नवीन चंद्र की पुत्री का विवाह 22 अप्रैल को होना है। मदन मिश्रा ने कहा कि अब सिलिंडरों की आवश्यकता है लेकिन उन्हें सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं। इस क्षेत्र में अप्रैल माह में 50 से अधिक शादी हैं। लोगों ने जिलाधिकारी व जिला पूर्ति अधिकारी से शादी के आयोजन के लिए कम से कम तीन व्यावसायिक सिलिंडर देने की मांग की। वहीं इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक सुरेंद्र पुरोहित ने बताया कि अभी व्यावसायिक सिलिंडर नहीं पहुंचे हैं। शीघ्र मिलने की उम्मीद है। समारोह में घरेलू सिलिंडरों का इस्तेमाल करना अपराध शादी समारोह में घरेलू सिलिंडरों का उपयोग नहीं कर सकते हैं। जिला पूर्ति अधिकारी ने जनपद के सभी गैस एजेंसी के प्रबंधक व पूर्ति निरीक्षक को दो अप्रैल को भेजे पत्र में शादी, लॉन और कैटरिंग में घरेलू गैस सिलिंडरों का इस्तेमाल करना कानूनी अपराध बताया। देवाल पूर्णा गांव में बांटे सिलिंडरः इंडेन गैस सर्विस ने शुक्रवार को ब्लॉक के पूर्णा गांव में करीब 24 दिनों बाद घरेलू सिलिंडरों की आपूर्ति की। इस दौरान आसपास गांव के लोग सिलिंडर लेकर मौके पर पहुंच गए। कई उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर मिल गए लेकिन कई उपभोक्ताओं के डीएसी नंबर नहीं आने पर उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। पूर्ति निरीक्षक मनोहर फर्स्वाण ने बताया कि गैस एजेंसी को वाहन से सिलिंडरों की आपूर्ति करने को कहा गया है। दूसरी ओर भारत गैस एजेंसी की ओर से गैस सिलिंडर का वितरण अभी तक नहीं किया गया है।

श्रीनगर–को–ट्रीटमेंट प्लांट ने पकड़ी रफ्तार

अब तक 78 टैंकर सीवेज का हुआ सफल निस्तारण

श्रीनगर गढ़वाल। शहर की सफाई व्यवस्था और सीवेज निस्तारण के लिए लंबे समय से चली आ रही परेशानी अब दूर हो गई है। नर्सरी रोड स्थित एसटीपी परिसर में करीब दो करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से बना आधुनिक को–ट्रीटमेंट प्लांट अब पूरी तरह से सुचारु हो गया है। बीते 25 सितंबर को इस प्लांट की शुरुआत हुई थी और सफल ट्रायल के बाद अब यहां नियमित रूप से सीवेज का शोधन (ट्रीटमेंट) किया जा रहा है। यह प्लांट विशेष रूप से उन घरों और संस्थानों के लिए बड़ा वरदान साबित हो रहा है जो अभी तक सीवर लाइन नेटवर्क से नहीं जुड़ पाए थे। प्लांट के ऑपरेटर विवेक ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रायल के कुछ दिन बाद ही प्लांट ने पूरी क्षमता के साथ काम करना शुरू कर दिया था। सितंबर से लेकर अब तक यहां 78 टैंकर गंदे पानी का सफल ट्रीटमेंट किया जा चुका है। इन संस्थानों और कॉलोनियों को मिल रही

राहतः अब नगर निगम के टैंकरों के माध्यम से सीधे सेप्टिक टैंक खाली कर गंदा पानी इस प्लांट तक पहुंचाया जा रहा है। अब तक बेस अस्पताल, पॉलिटेक्निक और एलएंडटी जैसे प्रमुख संस्थानों के अलावा गुरुद्वारा रोड, नर्सरी रोड और प्रगति विहार जैसे आवासीय क्षेत्रों के सीवेज का निस्तारण किया जा चुका है। यहां गंदे पानी का सुरक्षित तरीके से ट्रीटमेंट कर उसे पुनः एसटीपी में छोड़ा जा रहा है।

गंगोत्री धाम में अब शाम चार बजे तक होंगे मां गंगा के दर्शन

उत्तरकाशी। गंगोत्री मंदिर समिति की ओर से धाम में मुख्य मंदिर के दर्शन के लिए समय में बदलाव किया गया है। समिति के अनुसार अब श्रद्धालु दिन में शाम चार बजे तक गंगा जी के दर्शन कर पाएंगे। उसके बाद शाम पौने आठ बजे तक गंगा के शयनकाल के लिए कपाट बंद कर दिए जाएंगे। पौने आठ बजे होने वाली गंगा आरती के बाद रात दस बजे तक श्रद्धालु दर्शन कर पाएंगे। शनिवार को गंगोत्री धर्मशाला में गंगोत्री मंदिर समिति सहित तीर्थ पुरोहितों की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें आय व्यय के साथ ही इस वर्ष के मुख्य मंदिर में पुजारी और अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में सबसे अहम निर्णय गंगोत्री मंदिर दर्शन की समय सारिणी के लिए लिया गया। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि गत वर्ष तक धाम में मां गंगा के दर्शन सुबह छह से दोपहर दो बजे तक होते थे। उसके बाद मंदिर के कपाट तीन बजे तक बंद कर दिए जाते थे ।

सिरोहबगड़ से रुद्रप्रयाग तक बदहाल मार्ग यात्रियों की परीक्षा बनेगा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल और बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को खुलने वाले हैं, लेकिन इससे पहले ही सिरोहबगड़ से रुद्रप्रयाग तक का 15 किलोमीटर मार्ग यात्रियों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। सड़क पर उड़ता धूल का गुबार, मलबा और दलदल की स्थिति यात्रा को जोखिमपूर्ण बना रही है। साढ़े पांच दशक से संवेदनशील सिरोहबगड़ इस बार भी यात्रियों की मुश्किलें बढ़ाने वाला है। भूस्खलन जोन के ट्रीटमेंट के लिए 95.12 करोड़ की स्वीकृति मिलने के बावजूद टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। सिरोहबगड़ से खांखरा तक करीब 3 किलोमीटर में चार सक्रिय भूस्खलन जोन हैं, जबकि नौगांव से नरकोटा तक सात भूस्खलन जोन हर साल की तरह इस बार भी खतरा बने हुए हैं। नरकोटा सिग्नेचर ब्रिज का 500 मीटर हिस्सा 2024 से क्षतिग्रस्त है और निर्माण कार्य बंद पड़ा है। सड़क पर पड़ी निर्माण सामग्री मार्ग को संकरा बना रही है, जिससे जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति बनी रहती है।

पूरे मार्ग पर कई जगह क्रैश बैरियर टूटे हैं, रिफ्लेक्टर और साइन बोर्ड नहीं हैं। गुलाबराय और पेट्रोल पंप क्षेत्र में स्लोप ट्रीटमेंट धीमी गति से चल रहा है। तिलणी के पास पुल निर्माण स्थल पर बारिश का पानी सड़क पर जमा हो रहा है। सुमेरपुर से रतूड़ा तक सड़क कीचड़ और फिसलन से बदहाल है, जबकि घोलतीर–मरोड़ा के पास सड़क धंसने से दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। सुविधाओं की भी कमी है।

पांच वर्ष बाद भी नहीं बन पाए आपदा में बहे पुल

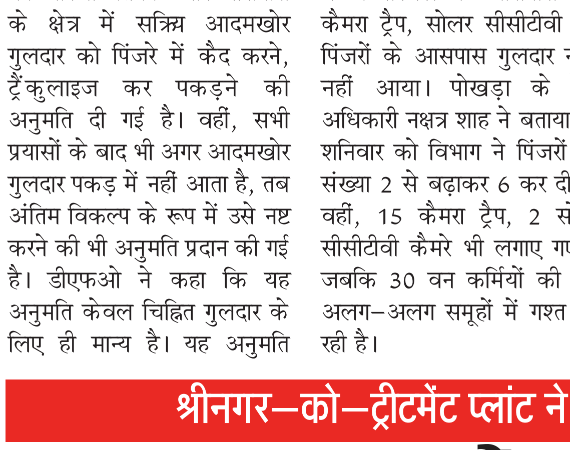

उत्तरकाशी। वर्ष 2021 की आपदा में मांडो–तेखला बाईपास और साड़ा के समीप बहे पुलों का पांच वर्ष बाद भी निर्माण नहीं हो पाया है। मांडो में जर्जर बैली ब्रिज से वाहनों की आवाजाही हो रही है। दोनों पुल एक बड़ी आबादी के साथ ही गंगोत्री–केदारनाथ यात्रा सहित वन–वे सिस्टम को जोड़ने वाले मार्ग पर अहम भूमिका निभाते हैं।

वर्ष 2021 में मांडो सहित कंकराड़ी और साड़ा में आपदा आई थी। इस दौरान मांडो–तेखला बाईपास का पुल बहने के कारण वहां पर कई दिनों तक आवाजाही बंद रही थी। साथ ही साड़ा के समीप पुल बहने के कारण बाड़ागड्डी के आधे क्षेत्र और धौंतरी क्षेत्र का जनपद मुख्यालय से संपर्क कट गया था। साड़ा में लोनिवि की ओर करीब 20 मीटर लंबे बैली ब्रिज का निर्माण कर आवाजाही शुरू करवाई गई। साथ ही मांडो में गदेरे के बीच से ही सड़क का निर्माण कर आवाजाही शुरू करवाई गई लेकिन आपदा के पांच वर्ष बीतने के बाद भी दोनों स्थानों पर पुल का निर्माण नहीं हो पाया है। मांडो निवासी इंद्रेश उनियाल ने बताया कि बारिश के दौरान गदेरे में पानी आने के कारण वहां पर वाहनों की आवाजाही में खतरा बना रहता है। साथ ही मानसून सीजन में कई बार आवाजाही बंद हो जाती है जबकि यह मांडो–तेखला बाईपास सहित उत्तरकाशी लंबगांव मोटर मार्ग यात्रा के दौरान वन–वे और गंगोत्री–केदारनाथ यात्रा के मुख्य आवाजाही के मार्ग हैं।उसके बावजूद शासन–प्रशासन इसके निर्माण पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रहा है। इससे चारधाम यात्रा में यात्रियों के साथ स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लोनिवि के एई स्वरोज चौहान का कहना है कि मांडो पुल की डीपीआर एक सप्ताह के भीतर शासन को भेजी जाएगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ वार्षिकोत्सव

उत्तरकाशी। अल्पाइन पब्लिक स्कूल का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। शनिवार को कलेक्ट्रेट के प्रेक्षागृह में आयोजित वार्षिकोत्सव का शुभारंभ गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने किया। प्रधानाचार्य सेवानिवृत्त मेजर आरएस जमानल ने वार्षिक प्रगति आख्या सबके सामने रखी। कहा कि विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इसके बाद छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति श्रीमद्भागवत गीता पाठ से किया। इसके बाद गढ़वाली, कुमाउंनी, जौनसारी, जौनपुरी सहित हिंदी, भोजपुरी गानों पर रंगारंग प्रस्तुति दी। वहीं, छात्राओं ने अपनी बोली अपनी भाषा पर को लेकर अभिभावकों को जागरूक किया। साथ ही नाटक के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्त के प्रति भी लोगों को जागरूक किया।

घरों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन बदलने का काम शुरू

उत्तरकाशी। कोटियाल गांव में कई आवासीय घरों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन की खुली तारों से बने खतरे से अब ग्रामीणों को निजात मिलने वाली है। ऊर्जा निगम ने कोटियाल गांव में खुली तार वाली लाइन को बदल कर उनकी जगह बंच केबल बिछाने का कार्य शुरू कर दिया है। विभाग की इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बने बरात घर, प्राथमिक विद्यालय और शिव मंदिर के समीप स्थित आवासीय भवनों के पास खुली तारों वाली लाइन से ज्यादा समस्या है। विद्युत लाइन की खुली तारें पेड़ों को छू कर गुजर रही है। कई बार हवा चलने पर भी लाइन में फॉल्ट आने से लो–वोल्टेज की समस्या उपन्न हो जाती है जिससे लोगों के टीवी फ्रीज नहीं चल पाते हैं। जिला पंचायत सदस्य विजय बंधानी का कहना है कि उन्होंने लिखित रूप में बंच केबल वाली लाइन बिछाने का अनुरोध किया था जिसका कार्य शुरू हो गया है। बंच केबल बिछने से ग्रामीणों को राहत मिलेगी और करंट की घटनाओं का भी भय नहीं रहेगा। ऊर्जा निगम के सहायक अभियंता अजय सेमवाल का कहना है कि आरडीएसएस योजना के तहत सभी गांव में बंच केबल और सड़े पोलों को बदला जाना है जिससे विद्युत चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा और करंट लगने की घटनाएं भी घटित नहीं होगी।

आईपीएल 2026: रिजवी ने खेली 90 रन की तूफानी पारी, एमआई को हराकर टॉप पर डीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 अप्रैल (वेब वार्ता)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से जीत दर्ज की। सीजन की लगातार दूसरी जीत के साथ डीसी ने प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान अपने नाम कर लिया है।

मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने खराब शुरुआत के बावजूद 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। इस टीम ने तीसरे ओवर में रयान रिकलटन (9) और तिलक वर्मा (0) के विकेट खो दिए थे। उस समय तक टीम के खाते में सिर्फ 18 ही रन जुड़ सके थे। हार्दिक पंड्या के स्थान पर डीसी की कमान संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने यहां से रोहित शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी।

रोहित 26 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सूर्या ने 36 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, नमन धीर ने 28 रन और मिचेल सेंटनर ने नाबाद 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि लुंगी एनगिडी, अक्षर पटेल, विपराज निगम और टी नटराजन ने एक-एक विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 18.1 ओवरों में जीत हासिल कर ली। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। डीसी ने 1.4 ओवरों में महज 7 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से पथुम निसांका ने समीर रिजवी के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन जुटाते हुए टीम को 73 के स्कोर तक पहुंचाया।

निसांका 30 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए। यहां से रिजवी ने डेविड मिलर के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने चौथे विकेट के लिए 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी करते हुए डीसी को जीत की दहलीज पर ला दिया।

इस बीच, रिजवी अपने आईपीएल करियर का पहला शतक चूक गए। उन्होंने 51 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 90 रन की पारी खेली। मिलर ने नाबाद 21 रन बनाकर टीम को 11 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से दीपक चाहर, मिचेल सेंटनर और कॉर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट हासिल किया।

आईपीएल 2026: रोहित शर्मा के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से हो रही है। मुंबई के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 26 गेंदों में 35 रन बनाए। रोहित ने अपनी इस पारी के दौरान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

रोहित शर्मा आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इसके साथ ही वह आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। दिल्ली के खिलाफ 35 रनों की अपनी पारी में रोहित ने एक छक्का लगाया। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 51 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है। धोनी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं। वहीं, इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 61 छक्के लगाए हैं।

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रयान रिकेल्टन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 गेंदों का सामना करने के बाद महज 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक वर्मा को मुकेश कुमार ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ मिलकर 53 रन जोड़े। रोहित 26 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में 141 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 51 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। पूरी तरह से फिट ना होने की वजह से हार्दिक पांड्या यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह पर दीपक चाहर को शामिल किया गया है। वहीं, ट्रेंट बोल्ट के स्थान पर कॉर्बिन बॉश और अल्लाह गजनफर की जगह पर मिचेल सैंटनर को टीम में शामिल किया गया है।

स्लो ओवर रेट पर फिर फंसे श्रेयस अय्यर, बीसीसीआई ने जुर्माना किया दोगुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर एक बार फिर स्लो ओवर रेट के कारण चर्चा में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब टीम को इस बार अपने कप्तान की गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पहले ही स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने के बाद अब चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी टीम ने तय समय में ओवर पूरे नहीं किए, जिसके चलते बीसीसीआई ने सख्त कार्रवाई की है। आईपीएल की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह इस सीजन में पंजाब किंग्स का दूसरा उल्लंघन है। ऐसे में श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो पिछले मैच में लगे 12 लाख रुपये के जुर्माने से दोगुना है। इसके साथ ही प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर सहित टीम के बाकी खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों को या तो 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, भुगतान करना होगा।

हालांकि, बार-बार गलती के बावजूद अय्यर पर किसी तरह के बैन का खतरा फिलहाल नहीं है। आईपीएल में 2025 से पहले तक नियम था कि एक ही सीजन में तीन बार स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने पर कप्तान को एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। लेकिन अब नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिसके तहत कप्तानों और टीमों पर डिमेरिट पॉइंट्स और जुर्माने का प्रावधान लागू किया गया है। नए नियमों के अनुसार, लेवल-1 के अपराध पर मैच फीस का 25 से 75 प्रतिशत तक जुर्माना और डिमेरिट पॉइंट दिए जाते हैं, जो तीन साल तक रिकॉर्ड में रहते हैं। वहीं गंभीर मामलों में लेवल-2 के तहत चार डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं। हर चार डिमेरिट पॉइंट पर अतिरिक्त जुर्माना या कड़ी सजा दी जा सकती है। हालांकि, सिर्फ स्लो ओवर रेट के आधार पर तत्काल मैच बैन नहीं लगाया जाएगा। इस तरह, पंजाब किंग्स को जीत के बावजूद अनुशासन के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि आगे ऐसे नुकसान से बचा जा सके।

टी20 क्रिकेट में सफल होने सकारात्मक होने के साथ ही गति भी जरुरी : नरेन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मिस्ट्री स्पिनर के तौर पर लोकप्रिय सुनील नरेन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में सफलता के लिए सकारात्मक रहते हुए निडर होकर खेलना जरुरी है। इसी से वह गति और लय मिलती है जो जीत के लिए सबसे जरुरी है। साथ ही कहा कि खेल में निरंतरता की भी जरुरत रहती है ताकि लगातार प्रदर्शन किया जा सके। साथ ही कहा कि उनकी टीम का भी लक्ष्य जीत हासिल करने का है जिससे लिए वह प्रयासरत हैं हालांकि उसे अभी तक अपने शुरुआती मैचों में सफलता नहीं मिली है। टीम अब अगले मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में अपना अपना खाता खोलना चाहेगी। उन्होंने कहा कि जब प्रशंसक साथ देते हैं तब भी टीम का हौंसला बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में सही समय पर लय हासिल करना, सीनियर खिलाड़ियों का जूनियर खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करना ही सबसे जरूरी होता है।

नरेन ने कहा, टी20 क्रिकेट में गति ही सब कुछ होती है। मैच जितनी तेजी से आपके हाथ में आता है उतनी ही तेजी से फिसल भी जाता है। इसलिए सकारात्क बने रहना जरुरी है। इसके साथ ही बिना डरे लगातार अच्छा खेलना होता है। नरेन ने आगे कहा कि लीग में आने वाले युवा खिलाड़ी अब आने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। उन्होंने कहा, आजकल, खिलाड़ी बहुत सारा टी20 क्रिकेट खेलकर लीग में आ रहे हैं। इसलिए यह पहले के मुकाबले काफी आसान हो गया है। खिलाड़ी इसमें काफी उत्साहित रहते हैं और वे किसी भी चीज को कम नहीं आंकते। उन्हें पता है कि आईपीलए कितना कठिन है इसलिए वे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

टीम में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए नरेन ने कहा कि वह टीम की जरूरतों के अनुसार खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, खासकर बल्लेबाजी में। उन्होंने कहा, मैं ऐसा खिलाड़ी हूं जो टीम की हर जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार रहता है। चाहे पारी की शुरुआत हो या पारी का अंत, मैं वही करता हूं जिसकी टीम को जरूरत होती है।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज-पर्पल कैप की रेस में उलटफेर, पंजाब किंग्स का दबदबा कायम

नई दिल्ली(।इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सातवें मुकाबले के बाद टूर्नामेंट में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मुकाबले के बाद दोनों ही कैप पर पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने कब्जा जमा लिया है, जिससे टीम का दबदबा साफ नजर आ रहा है।ऑरेंज कैप की रेस में कूपर कोनोली ने बढ़त बना ली है।उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 22 गेंदों में 36 रन की अहम पारी खेलते हुए इस सीजन में कुल 108 रन पूरे कर लिए हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।इस सूची में अंगकृष रघुवंशी 103 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं।इसके अलावा ईशान किशन (94 रन), हेनरिक क्लासेन (83 रन) और रयान रिकेल्टन (81 रन) भी टॉप बल्लेबाजों में शामिल हैं।पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह ने 43 रन की पारी खेलकर कुल 80 रन के साथ छठे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की है।वहीं रोहित शर्मा 78 रन के साथ सातवें स्थान पर हैं।चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 73 रन बनाए और टॉप-10 बल्लेबाजों की सूची में जगह बना ली है।वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी मध्यक्रम में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह से पहले ही शुरु हो जाएंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

एथेंस ।अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे।आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे।ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे।वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और संट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे।इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है।वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा।इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था।आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे।इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा।फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा।

नीलामी में गेंदबाजों को मिस करना पड़ा भारी, फ्लेमिंग

नई दिल्ली ।चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार दूसरी हार के बाद टीम की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ 210 रन जैसा बड़ा स्कोर खड़ा करने के बावजूद चेन्नई इसे बचा नहीं सकी।इस हार के बाद टीम के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने माना कि नीलामी के दौरान कुछ अहम गेंदबाजों को टीम में शामिल न कर पाना अब भारी पड़ रहा है।फ्लेमिंग ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने ऑक्शन के दौरान कई गेंदबाजों पर गंभीरता से विचार किया था, लेकिन परिस्थितियों के चलते वे उन्हें खरीद नहीं सके। उन्होंने स्वीकार किया कि जिन खिलाड़ियों को उस समय नजरअंदाज किया गया, वे अब शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टीम ने हर विकल्प पर चर्चा की थी, लेकिन अंत में कुछ खिलाड़ियों को मिस कर दिया गया। चेन्नई की हार ने एक बार फिर गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों को उजागर किया है।पंजाब के खिलाफ मैच में बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 209 रन बनाए, लेकिन गेंदबाज विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में नाकाम रहे।इस कारण बड़ा स्कोर भी टीम के काम नहीं आ सका।टी20 क्रिकेट के बदलते स्वरूप पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने कहा कि अब पारंपरिक फ्रफिनिशरफ्र की भूमिका पहले जैसी नहीं रही। उनके अनुसार, आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं और हर ओवर में तेजी से रन बनाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले टीम 16वें ओवर तक पारी संभालती थी, लेकिन अब हर ओवर में 10-12 रन बनाना जरूरी हो गया है।इसके बावजूद फ्लेमिंग ने टीम की बल्लेबाजी पर भरोसा जताया।उन्होंने कहा कि चेन्नई के पास डेवाल्ड ब्रेविस जैसे आक्रामक बल्लेबाज और एमएस धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, जो मैच का रुख बदल सकते हैं।उनके अनुसार, टीम के पास तेज रन बनाने की क्षमता है और बल्लेबाजी में कोई बड़ी चिंता नहीं है। लगातार दो हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स पर दबाव बढ़ गया है।अब टीम का अगला मुकाबला रॉयल्स चेलेंजर बेंगलुरुसे है, जहां जीत हासिल कर वापसी करना उसके लिए बेहद जरूरी होगा।

आईपीएल 2026 अर्जुन तेंदुलकर के लिए 'करो या मरो' का मौका, बोले- खेल का मजा लेने पर है फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंडुलकर के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर के बेटे अर्जुन अब तक आइपीएल में कोई खास पहचान नहीं बना पाए हैं, ऐसे में यह सीजन उनके करियर के लिए निर्णायक माना जा रहा है। वह इस बार लखनऊ सुपर जाइन्टस की ओर से खेलते हुए अपनी छाप छोड़ने के इरादे से उतरेंगे। घरेलू क्रिकेट में मुंबई से गोवा शिफ्ट होने के बाद अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी में सुधार दिखाया है और कई मौकों पर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि वह अब भी अपने ÷कम्फर्ट जोन÷ से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने कहा कि वह फिलहाल अपने खेल को एंजॉय कर रहे हैं और उसी पर ध्यान दे रहे हैं।

अर्जुन के करियर में दबाव की बात भी अक्सर उठती रही है, खासकर उनके पिता की विरासत के कारण। इस पर उन्होंने साफ कहा कि वह बाहरी अपेक्षाओं के बजाय अपने खेल पर फोकस करते हैं। उनके मुताबिक, वह क्रिकेट किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के चलते खेलते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता मेहनत करना और खेल का आनंद लेना है। अर्जुन से जुड़ा एक पुराना किस्सा भी चर्चा में रहा, जब 2016 में कांगा लीग के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने उनके पिता के मशहूर 'बूस्ट' विज्ञापन को लेकर मजाक किया था। हालांकि, अर्जुन ने ऐसे अनुभवों को हल्के में लेते हुए हमेशा अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखा है।

अब आईपीएल 2026 उनके लिए बड़ा मंच है, जहां अच्छा प्रदर्शन उन्हें नई पहचान दिला सकता है। लगातार मौके मिलने के बावजूद अब तक प्रभाव छोड़ने में असफल रहे अर्जुन के सामने इस बार खुद को साबित करने की चुनौती है। यदि वह इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, तो न केवल टीम में अपनी जगह पक्की कर सकते हैं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में भी एक मजबूत पहचान बना सकते हैं।

तनाव से बचने क्रिकेट खिलाड़ी गोल्फ भी खेलें : युवराज

नई दिल्ली ।पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने क्रिकेटरों को सलाह दी है कि वे मानसिक थकान से राहत पाने के लिए गोल्फ खेलने का भी आनंद लें।युवराज के अनुसार क्रिकेटरों को तनाव से बचने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना चाहिए।युवराज ने कहा है कि उन्होंने संन्यास के बाद गोल्फ खेलना शुरु किया था।युवराज अब दूसरी इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के ब्रांड एंबेसडर भी हैं।उनका कहना है कि क्रिकेटरों को अपने करियर के दौरान ही गोल्फ भी खेलना भी जारी रखना चाहिये।साथ ही कहा कि मुझे भी पहले ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए था, इससे मुझे क्रिकेट में भी सहायता मिलती।गोल्फ खेलने का फायदा ये होता है कि शरीर को आराम मिलने के साथ ही तनाव भी कम होता है।युवराज ने कहा, इसी कारण अधिकतर विदेशी क्रिकेटर शुरुआत से ही गोल्फ खेलते आ रहे हैं।युवराज ने कहा कि गोल्फ के बारे में माना जाता है कि ये बड़े लोगों का खेल है जो सही नहीं है।वास्तविकता है कि यह एक ऐसा खेल है जो सभी के लिए उपलब्ध है।उन्होंने कहा, हम गोल्फ को एक एलीट खेल के तौर पर देखते हैं पर हमें ये देखना चाहिये कि देश का हर बच्चा गोल्फ खेले।हम गोल्फ को स्कूलों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। मेरा मानना ??है कि हर बच्चे को हर खेल आजमाना चाहिए।उन्होंने कहा, मुझे क्रिकेट हमारे देख में सबसे लोकप्रिय है पर गोल्फ भी एक मजेदार खेल है, जिसे हर किसी को आजमाना चाहिए। भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके एक खिलाड़ी के तौर पर मैं दूसरे खेलों में भी सहायता करना चाहता हूं।गोल्फ लीग इस खेल को और भी रोमांचक बनाएगी और इस खेल को बच्चों की पहुंच में लाने का प्रयास करेगी।हमें उम्मीद है कि ज्यादा बच्चे इस खेल को अपनाएंगे, इसे टीवी पर देखेंगे और इसे खेलने के लिए प्रेरित होंगे।

सऊदी प्रो लीग में चोट से वापसी पर रोनाल्डो ने दो गोल किए

रियाद।क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए दो गोल किए, जिससे अल-नासर ने सऊदी प्रो लीग में सबसे नीचे चल रही टीम अल-नजमा को हरा दिया।41 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे इस सीजन में अपने क्लब के लिए उतने ही लीग मैचों में उनके कुल गोलों की संख्या 23 हो गई।रोनाल्डो को फरवरी के आखिर में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और पिछले महीने जब पता चला कि चोट शुरू में सोची गई चोट से ज़्यादा गंभीर है, तो वह इलाज के लिए स्पेन चले गए थे।रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के इस पूर्व स्टार ने दो लीग मैच और पुर्तगाल के मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच नहीं खेले।अल-नजमा ने हैरानी भरी बढ़त बना ली, जबकि वह 27 लीग मैचों में सिर्फ़ एक बार ही जीत पाई थी।लेकिन लिवरपूल के पूर्व फॉरवर्ड सादियो माने और अब्दुल्ला अल हमदान ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में गोल करके अल-नासर को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी।मेहमान टीम के बराबरी करने के बाद, रोनाल्डो ने 56वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम की बढ़त फिर से कायम कर दी; इसके बाद उन्होंने और माने दोनों ने अपना दूसरा गोल करके जीत पक्की कर दी। अल-नासर की लगातार 13वीं लीग जीत ने तालिका में शीर्ष पर उसकी बढ़त को दूसरे स्थान पर काबिज़ अल-हिलाल से छह अंकों तक बढ़ा दिया है; अल-हिलाल शनिवार को अल-तावून के खिलाफ खेलेगा।

इस माह 24 अप्रैल से शुरु होगा थॉमस और उबर कप, लक्ष्य और सिंधु पुरुष और महिला टीम की कमान संभालेंगे

नई दिल्ली ।भारतीय बैडमिटंन स्टार लक्ष्य सेन इस माह होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे।वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस और उबर कप के लिए लक्ष्य के अलावा , किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है।वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है।पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है।वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी।भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी।भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं।टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

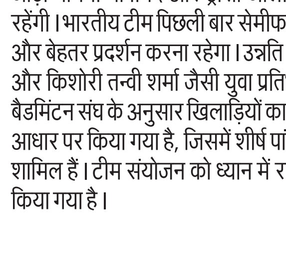

आईपीएल 2026: सीएसके की गेंदबाजी पर गावस्कर की चिंता, बोले- 230 रन भी नहीं होंगे सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स की मौजूदा हालत पर चिंता जताते हुए कहा है कि टीम की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी बनती जा रही है। आईपीएल 2026 में शुरुआती दोनों मुकाबले हारने के बाद सीएसके दबाव में है, जिसमें पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार भी शामिल है।

गावस्कर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए साफ है कि सीएसके को अपनी गेंदबाजी पर तुरंत काम करना होगा। उनके मुताबिक, मौजूदा टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी इतनी मजबूत हो चुकी है कि सिर्फ 200 या 210 रन बनाना काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएसके को मैच जीतने के लिए लगातार 225 से 230 रन के बड़े स्कोर बनाने पड़ सकते हैं, तभी गेंदबाजों को थोड़ा सहारा मिलेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज की टीमों में बल्लेबाजी की गहराई काफी बढ़ गई है। पंजाब किंग्स जैसी टीम में सातवें नंबर पर मार्कस स्टोइनिस जैसे विस्फोटक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे लक्ष्य का बचाव करना और भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सीएसके को अपनी गेंदबाजी इकाई को मजबूत करना ही होगा।

इस बीच, युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की गावस्कर ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि म्हात्रे के लिए बल्लेबाजी क्रम में तीसरा स्थान सबसे उपयुक्त नजर आता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले मैच में पहली ही गेंद पर आउट होने के बावजूद युवा खिलाड़ी ने आत्मविश्वास नहीं खोया और शानदार वापसी की। गावस्कर के अनुसार, नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की यही खासियत है कि वे अतीत को पीछे छोड़कर वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। गावस्कर ने रोहित शर्मा की फिटनेस में आए बदलाव की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित ने अपनी शारीरिक स्थिति पर कड़ी मेहनत की है, जिसका असर उनके खेल में साफ दिखाई दे रहा है। उनका फुटवर्क पहले से तेज हुआ है और ऊर्जा भी ज्यादा नजर आ रही है, जिससे वे क्रीज पर ज्यादा समय बिता पा रहे हैं।

वहीं, भारत के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने पंजाब के युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्य की विस्फोटक पारी की सराहना की। पुजारा ने कहा कि प्रियांश गेंद की लेंथ को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और खासकर शॉर्ट गेंदों पर आक्रामक शॉट खेलने में माहिर हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ऐसे बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों के लिए गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है। कुल मिलाकर, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चेन्नई सुपर किंग्स को टूर्नामेंट में वापसी करनी है, तो उसे अपनी गेंदबाजी में जल्द सुधार करना होगा, वरना आगे की राह और मुश्किल हो सकती है।